Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0C
न्यूनतम तापमान: 21.0C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 109
जयपुर, सोमवार, 23 सितम्बर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

न्यूयॉर्क में पीएम मोदी बोले- नियति मुझे राजनीति में लाई

प्रवासियों से कहा, मैं देश में भटका, जो मिला खा लिया, जहां सोने को मिला सोया

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरे के दूसरे दिन रविवार को न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित किया। मोदी ने एक घंटे 7 मिनट दिए भाषण में अपने राजनीतिक जीवन, भारत की तरक्की से लेकर प्रवासियों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के न्यूयॉर्क के नासाउ वेटरंस कॉलेजियम पहुंचते ही हजारों लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। मोदी के स्वागत में पहले अमेरिका का राष्ट्रगान फिर भारत का राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद मोदी ने भारतीय मूल के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने नमस्ते कहकर लोगों को अभिवादन किया फिर कहा, ''अपना नमस्ते मल्टीनेशनल हो गया, लोकल से ग्लोबल हो गया।'' मोदी ने कहा, ''जब मैं न सीएम था न पीएम था तब इस धरती पर कई सवालों के साथ आता था। किसी पद पर नहीं था तब मैंने अमेरिका के 29 राज्यों का दौरा किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इक्र की नई परिभाषा दी। उन्होंने कहा, ''एक एआई का मतलब है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एक एआई का मतलब है- अमेरिकन इंडियन।'' मोदी ने प्रवासियों से कहा, ''इस बार भारत के चुनाव में कुछ अभूतपूर्व हुआ है।'' इसके बाद मोदी ने लोगों की तरफ हाथ उठाया और उनसे 3 बार, अब की बार मोदी सरकार के नारे लगवाए। मेरे जीवन का एक बहुत बड़ा हिस्सा ऐसा रहा जिसमें मैं सालों तक देश में, भटकता रहा, जहां खाना मिला, खा लिया जहां सोने का मिला सो लिया।

मोदी बोले- आईपीएल दुनिया की बड़ी लीग्स में शामिल

अगले ओलिंपिक आईपीएल में है। जल्द ही भारत भी ओलिंपिक का साक्षी बनेंगा। हम 2036 मेजबानी के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। खेल, बिजनेस, या फिर मनोरंजन, भारत बहुत बड़े आकर्षण का केंद्र है। आईपीएल दुनिया की टॉप लीग्स में है। फिल्में धूम मचा रही हैं। भारत ग्लोबल टूरिज्म में भी परचम लहरा रहा है। दुनिया के अलग-अलग देशों में भारत के त्योहार मनाने की होड़ है। लोग नवरात्रि का गरबा सीख रहे हैं। ये भारत के प्रति प्यार है। आपको एक बात जानकर खुशी होगी कल ही अमेरिका ने हमारे करीब 300 पुराने शिलाखेख मूर्तियां लौटाई हैं। अभी तक अमेरिका ऐसी लगभग 500 धरोहरें भारत को लौटा चुका है। ये कोई छोटी सी चीज लौटाने का विषय नहीं है। ये हमारी हजारों साल की विरासत का सम्मान है। भारत का ही नहीं आपका भी सम्मान है। इनमें गूगल के सीईओ सुंदर पिचई भी मौजूद थे। इससे पहले मोदी बाइडेन के साथ बैठक और QUAD समिट में शामिल हुए।

भारतीय शिलालेखों के साथ मोदी-बाइडेन

भारत-अमेरिका की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। हमारी साझेदारी ग्लोबल गुड के लिए है। भारत की मानसिकता दुनिया में दबाव नहीं, प्रभाव बनाने की है। हम आग की तरह जलाने वाले नहीं, सूरज की तरह रोशनी देने वाले हैं। हम विश्व पर दबदबा नहीं चाहते, हम विश्व की समृद्धि में सहयोग देना चाहते हैं एक जमाना था जब (मेरे आने से पहले) हम मोबाइल इम्पोर्ट करते थे। अब हम मोबाइल एक्सपोर्टर बन चुके हैं। अब भारत पीछे नहीं चलता। अब भारत नेतृत्व करता है। भारत का ठ्क्रपूरी दुनिया को आकर्षित कर रहा है। आपकी जेब में वॉलेट है। लेकिन भारत के लोगों के जेब में फोन के साथ ई वॉलेट है। अब भारतीय अपने डॉक्यूमेंट डिजिलॉकर में रखते हैं। भारत रूकने वाला नहीं है। भारत अब थमने वाला नहीं है। भारत चाहता है दुनिया में ज्यादा से ज्यादा डिवाइस मेड इन इंडिया चिप पर चले। पिछले साल जून में भारत ने सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए इंसेटिव घोषित किए। इसके कुछ ही महीने बाद माइक्रोन की सेमीकंडक्टर का शिलान्यास हो गया। समंदर से पहाड़ों और रेगिस्तान तक को जाना। उन्होंने कहा, ''नियती मुझे राजनीति में लाई। कभी नहीं सोचा था कि सीएम बनूंगा। जब बना तो लॉन्गेस्ट सीएम बना दिया और फिर प्रोमोट कर पीएम बना दिया।'' प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने के बाद घ्ख्र मोदी ने प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ ई के साथ मीटिंग की।

अजमेर के रूपनगढ़ में अंधाधुंध फायरिंग, एक की मौत

गाड़ियों में तोड़फोड़, जेसीबी को आग लगाई, लोगों को स्कॉर्पियो से कुचलने की कोशिश

■ संजीवनी टुडे

किशनगढ़ (अजमेर)। हॉस्टल के सामने दुकान निर्माण को लेकर दो गुटों में विवाद हो गया। गाड़ियों में भरकर पहुंचे बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। लोगों को गाड़ियों से कुचलने की कोशिश की गई। फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। दहशत के चलते बाजार बंद हो गए। लोगों ने बदमाशों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की और एक जेसीबी को आग लगा दी। मामला अजमेर में रूपनगढ़ का रविवार सुबह 11.30 बजे का है। डीएसपी ग्रामीण सत्यनारायण यादव ने बताया- गोली लगने से रामसर (रूपनगढ़) निवासी शकील लंगा (25) की मौत हुई है। जबकि नारायण (32) पुत्र नानूराम घायल हुआ है। उसे किशनगढ़ से अजमेर रेफर किया गया है। घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। घटना स्थल पर फोर्स तैनात है। डीएसपी ने बताया- जैन छात्रावास के आगे पंचायत की जमीन है। यहां लंगा परिवार का कब्जा है। इस जमीन पर पिछले दिनों पंचायत ने पट्टे दिए हैं। आज यहां लंगा परिवार की ओर से दुकान का निर्माण करवाया जा रहा था। इसी दौरान सुबह बलवा राम चौधरी (बीआरसी) ग्रुप के लोग यहां पहुंचे और दोनों पक्षों में झड़प हो गई। इसके बाद बीआरसी ग्रुप के लोग यहां से चले गए। करीब आधे घंटे बाद वे कुछ अन्य लोगों को लेकर

आया। कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। इसके बाद पत्थरबाजी और फायरिंग हो गई। किशनगढ़ के पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया के बेटे भंवर सिनोदिया हत्याकांड के आरोपी बलवा राम चौधरी के भांजे दिनेश चौधरी की गाड़ी मौके पर मिली है। हमें शक है कि फायरिंग दिनेश चौधरी और उसके साथियों ने की है। मौके पर फिलहाल शांति है और दोनों पक्षों के लोगों से समझाया गया है। घटना से जुड़े लोगों को चिह्नित कर उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले में एक आरोपी को डिटेन किया गया है, जो अलवर का रहने वाला है। एक बुलडोजर समेत तीन बड़े वाहनों को जब्त किया गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने घटना को लेकर कहा- खुलेआम गोलीबारी, हत्या और गुंडागर्दी की ये तस्वीरें प्रदेश की बेलगाम एवं ध्वस्त कानून व्यवस्था का सबूत है।

एमपी में आर्मी ट्रेन डिरेल करने की साजिश

ट्रैक पर डेटोनेटर बिछाए, कानपुर में फिर ट्रैक पर मिला सिलेंडर, पंजाब में पटरी पर सरिया रखी

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश के 3 राज्यों में ट्रेन पलटने की साजिश की गईं। हालांकि तीनों जगहों पर ही लोको पायलट ने साजिश को नाकाम कर दिया। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में सेना के जवानों को ले जा रही ट्रेन में विस्फोट की कोशिश की गई थी। यह घटना 18 सितंबर की है। रेलवे सूत्रों ने बताया कि बुरहानपुर के नेपानगर में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर बिछाए गए। हालांकि ट्रेन के पहुंचने से पहले ही कुछ डेटोनेटर फूट गए। इससे रेलवे अधिकारी अलर्ट हो गए और स्टेशन पर ट्रेन रुकवा दी गई। यूपी के कानपुर में प्रेमपुर स्टेशन के पास ट्रैक पर एक छोटा सिलेंडर रखा मिला। जेटीटीएन गुड्स ट्रेन के लोको पायलट ने सिलेंडर देखते ही इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को 10 फीट पहले ही रोक लिया। पंजाब के बठिंडा में रेलवे ट्रैक पर सरियों का बंडल रख दिया गया। इसे देखकर मालगाड़ी के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया, जिससे हादसा टल गया। बिहार के मुजफ्फरपुर में शनिवार रात मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर रेल लाइन के बीच इंजन के कुल 6 चक्के पटरी से उतर गए। घटना शनिवार की रात 8.31 बजे की है। शुरुआती जांच में लोको पायलट और पॉइंट मैन की लापरवाही सामने आई है। 18 सितंबर को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से आर्मी

की ट्रेन गुजरने वाली थी। ट्रेन खंडवा से होते हुए तिरुवनंतपुरम जा रही थी। इसमें आर्मी के अफसर, कर्मचारी और काफी असलहा मौजूद था। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, सागफाटा के पास ट्रैक पर 10 डेटोनेटर करीब एक से डेढ़ फीट की दूरी पर रखे गए थे। सूचना मिलने पर ट्रेन को सागफाटा में रोक दिया गया और ट्रेन डिरेल करने की साजिश नाकाम हो गई। मुजफ्फरपुर में मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन के इंजन के 6 पहिए बेपटरी हुए थे। डिरेल हुए इंजन को मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन से जोड़ना था। रेलवे के मुताबिक, इंजिन जोड़ने के दौरान भागलपुर-मुजफ्फरपुर इंटरसिटी जंक्शन पर आ रही थी। इस कारण इंजन को सिग्नल नहीं दिया गया और बिना सिग्नल के इसे आगे बढ़ाया गया, जिसके चलते पहिए बेपटरी हो गए।

कानपुर में ट्रेन डिरेल करने की 38 दिन में 5वीं साजिश

कानपुर में रविवार को प्रेमपुर स्टेशन पर सिलेंडर रखे होने की सूचना मिलते ही रेलवे के सीनियर अफसर, आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अफसरों ने बताया कि मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज जा रही थी। ट्रैक पर रखा 5 किलो का सिलेंडर खाली था। यूपी में 38 दिनों में ट्रेन पलटने की यह 5वीं साजिश है। इससे पहले कानपुर में ही 8 सितंबर को भरा सिलेंडर रखकर कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश रची गई थी।

शाह बोले- फारूक पाकिस्तान से बातचीत चाहते हैं

आतंकवाद खत्म होने तक ऐसा नहीं होगा, अब्दुल्ला का जवाब- चीन से तो बात कर रहे हैं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लगातार दूसरे दिन जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। नौशेरा में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा- फारूक अब्दुल्ला चाहते हैं कि हम आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान से बातचीत करें। आतंकवाद खत्म होने तक हम पाकिस्तान से बातचीत के पक्ष में नहीं है। फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि वे धारा 370 को वापस लाएंगे। फारूक साहब, अब धारा 370 कोई वापस नहीं ला सकते। अब बंकरों की जरूरत नहीं है, क्योंकि गोली चलाने की कोई हिम्मत नहीं कर सकता। अगर वहां गोली आई तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। शाह के हमले पर फारूक अब्दुल्ला ने पलटवार किया। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार चीन से बात कर सकती है, जिन्होंने हमारी 2 हजार किलोमीटर की जमीन पर कब्जा किया। पाकिस्तान से क्यों नहीं बात कर सकती। आतंकवाद का हल निकालना होगा। कब तक हमारे लोग मरते रहेंगे। आतंकवाद को हम पाताल में दफन कर देंगे। आज जम्मू-कश्मीर में शान से तिरंगा लहराया जा रहा है। वो लोग शेख अब्दुल्ला का झंडा वापस लाना चाहते हैं।

शाह ने कल कहा था- अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद लाए

अमित शाह ने 16 सितंबर को मेंढर में कहा- 90 के दशक में फारूक की मेहरबानी से आतंकवाद आया। तब यहां बहुत गोलीबारी होती थी, क्योंकि यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे। अब पाकिस्तान नरेंद्र मोदी से डरता है। पाकिस्तान की हिम्मत नहीं है कि वह गोलीबारी करे। अगर गोलीबारी की तो मोदी गोली का जवाब गोले से देंगे। शाह ने 16 सितंबर को कहा था कि कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन में आतंकवादी पोषित हुआ। ये पार्टियां धारा 370 वापस लाना चाहती हैं, लेकिन बीजेपी के रहते हुए ऐसा कभी नहीं होगा। शाह ने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने इस अब्दुल्ला परिवार को देशद्रोही कहा, आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया और उमर

अब्दुल्ला के दादा को सालों तक जेल में रखा। आज मोदी जी के सामने जीतने के लिए राहुल और उमर अब्दुल्ला ऋख्रठ-ऋख्रठ कर रहे हैं। 2019 में आर्टिकल-370 हटाने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है। जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें 7 अनुसूचित जातियों के लिए और 9 अनुसूचित जनजातियों के लिए रिजर्व हैं। 18 सितंबर को पहले फ़ेज की वोटिंग हो चुकी है। 25 सितंबर को दूसरे फ़ेज और 1 अक्टूबर को तीसरे फ़ेज की वोटिंग होगी। 8 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.06 लाख वोटर हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने 28 सीटें, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (गए) ने 15 और कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं। भाजपा 90 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की 90 में से 62 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

तीये की बैठक

याद रहेंगे हमें सदा सद्–संस्कार आपके, हम सदा बढ़ते रहेंगे, पथ पर आपके ।
आप सदा जीवित हैं विचारों में हमारे, श्रद्धा सुमन अर्पित हैं चरणों में आपके ।।

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
हमारी पूजनीया माताजी
श्रीमती नाथी देवी
धर्मपत्नी स्व. श्री शिव सहाय वर्मा जी (वर्मा साहब) मालपुरा वाले
का स्वर्गवास शनिवार दिनांक 21/09/2024 को हो गया है।
तीये की बैठक सोमवार दिनांक 23 सितम्बर 2024 को
सायं 4:00 बजे से 5:00 बजे तक
सेक्टर –9 पार्क, रेडिक्स पब्लिक स्कूल के सामने, कुम्भा मार्ग,
प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर में रखी गई है।

शोकाकुल परिवार

अशोक (XEn PHED) – अनिता, डॉ. दिनेश (SMS Hospital) – ऋचा
अरूण – सोनिया, प्रेम (AEn JDA)– प्रियंका (पुत्र – पुत्रवधु)
डॉ. आर्यन, डॉ. स्पर्श डेजी, प्रियांश
ओरम, पलक्षी, प्रिशा, आर्ष, एवं समस्त बैंदाड़ा परिवार
गीता – सतीश कुमार, सुनीता –नरेश कुमार (XEn PHED) (पुत्री–दामाद)
आयुषी – दीपक (पौत्री–दामाद)
डॉ. सिमरन, दिव्यांशु, अंकुर, अंशु, मोनिका–राहुल जी

खबरें फटाफट

श्री ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 13 अक्टूबर को

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। श्री ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 13 अक्टूबर को आयोजित किया जायेगा। समाज के सचिव प्रदीप शर्मा ने बताया की अध्यक्ष राजेश शर्मा (ठेकेदार)की अध्यक्षता में एक बैठक श्री ब्राह्मण धर्मशाला परशुराम भवन में आयोजित की गई। बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह 13 अक्टूबर रविवार को आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सम्मान समारोह के संयोजक मदन लाल शर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह समाज के उन छात्र छात्राओं का जिन्होंने 10वीं व 12वीं कक्षा में 85 प्रतिशत से उत्तीर्ण हुए हैं और वह छात्र-छात्राएं जो स्नातक व स्नातकोत्तर में 70 प्रतिशत से उत्तीर्ण हुए हैं तथा समाज के वो विप्र बंधु जिनकी अक्टूबर 23 से अक्टूबर 24 के मध्य राज सेवाओं में नियुक्तियां हुई है या किसी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किये हैं व समाज के वरिष्ठ जन जिनकी उम्र 75 वर्ष से अधिक है उनका सम्मान भी ब्राह्मण समाज राजगढ़ द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में वन मंत्री संजय शर्मा का भी स्वागत श्री ब्राह्मण समाज द्वारा करने का निर्णय समाज की बैठक में लिया गया। इस अवसर पर दिनेश शास्त्री, योगेश वशिष्ठ, विपिन भारद्वाज, महंत उदयभान शर्मा, प्रकाश दीक्षित, अखिलेश वशिष्ठ, राजू भैया सहित विप्र बंधु मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर में 105 यूनिट हुआ रक्तदान

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। लायंस क्लब राजगढ़ द्वारा रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन ब्राह्मण धर्मशाला में किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ ठिकाना गंगाबाग के महंत प्रकाशदास महाराज व थानाधिकारी रामजीलाल मीना ने किया। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं के द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। शिविर में राजगढ़ एवं आस पास के रक्तदाताओं के द्वारा रक्तदान महादान की भावना से 105 यूनिट रक्त दान किया गया। लायंस क्लब के सचिव एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि रक्तदाताओं के द्वारा उत्साह से जरुरत मंद के लिए 105 यूनिट रक्त का दान किया हैं। इस अवसर पर संतोबा दुर्लभ जी अस्पताल के डॉक्टर प्रमोद के निर्देशन में उनकी पुरी टीम के द्वारा रक्त के कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर संयोजक वीरेंद्र शर्मा, जोनल चेयर पर्सन मदन लाल शर्मा, क्लब अध्यक्ष प्रदीप महावर सहित अन्य क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

नदियों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए मनाया विश्व नदी दिवस

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। श्रीनगर बांदेन गांव में रविवार को विश्व नदी दिवस मनाया गया। नदियों के प्रति लोगों को जागरूक करने और उनके संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए, विश्व नदी दिवस मनाया जाता है। विश्व जल आयोग के सदस्य नेहपाल सिंह ने बताया कि नदियों तालाब व जलाशयों को संरक्षित करने तथा प्रदूषण को रोकने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा। जल पुरुष राजेंद्र सिंह द्वारा सेरनी नदी पुस्तक में जल संरक्षण के बारे में बताया। दुनिया की नदियों में जब तक अविरलता बनी रहेगी तब तक जीवन में भी अविरलता बनी रहेगी। इस अवसर पर शिव शंकर शर्मा, नारायण लाल, गिरीश शर्मा कुशाल सिंह आदि ने पौधारोपण किया।

सॉफ्टबाल 17 व 19 वर्षीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देशमा में आज सोमवार 23 सितम्बर 2024 को 68 वीं जिला स्तरीय सॉफ्टबाल 17 व 19 वर्षीय खेलकुद प्रतियोगिता का शुभारंभ कन्हैयालाल चौधरी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार की धर्मपत्नी राधा देवी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक एवं प्रधानाचार्य नन्दकिशोर रेगर ने बताया कि कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मीना लसारिया मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी टोंक व मंजू मीणा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मालपुरा व जिला परिषद सदस्य गीता देवी व पंचायत समिति सदस्य कैलाशी देवी रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचण जाट सरपंच ग्राम पंचायत देशमा द्वारा किया जाएगा।

रैगर समाज के जिला स्तरीय प्रतिभा समारोह को लेकर मीटिंग हुई आयोजित

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। कल रविवार 22 सितंबर को बाबा रामदेव मन्दिर रेल्वे स्टेशन मालपुरा में अखिल भारतीय रैगर महासभा ब्लॉक मालपुरा द्वारा पंचम जिला स्तरीय प्रतिभा समारोह 2024 को लेकर रैगर समाज बन्धुओं की मीटिंग का आयोजन किया गया।

मीटिंग में देहात अध्यक्ष रामनारायण बडोलिया एवं शहर अध्यक्ष रामकरण फुलवारिया ने बताया कि रैगर समाज का पंचम जिला स्तरीय सम्मान समारोह देवली में 27 अक्टूबर 2024 में आयोजित होंगा। सम्मानित होने वालीं प्रतिभाएं कक्षा 10वीं 12वीं में उत्तीर्ण 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण 70 प्रतिशत अंक या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभाएँ । पीचडी में चयनित एवं उत्तीर्ण प्रतिभाएँ। नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में कक्षा 6, 9 एवं 11 में चयनित विद्यार्थी। सभी प्रकार की सरकारी सेवाओं में पदस्थापित/नियुक्त अधिकारों/कर्मचारी। अर्न्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत

सरकारी/गैर सरकारी/व्यक्ति/संस्था उक्त स्तरीय स्पोर्टस-प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रतिभाएँ तथा उक्त स्तर पर गेम्स-स्पोर्टस-या अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके समाज को गौरयान्वित करने वाली प्रतिभाएँ।

प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 हेतु 11000/ या इससे अधिक का आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाह। दहेज नहीं लेने वाले नवदम्पति, मायरा / जामणा में रूपये 101/ तक लेने वाले परिवार, मृत्यु भोज नही करने वाले परिवार, गरीब, बेसहारा व अनाथ बच्चो के के हित में कार्य करने वाले व्यक्ति/संस्था । समाज के सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि यथा सरपंच/ उपसरपंच/ चैयरमेन/ पार्षद/ सीआर/ डीआर/ प्रधान/ प्रमुख/ विधायक/ सांसद/ कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष/ छात्र प्रतिनिधि आदि। प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए आवदेन पत्र 30 सितम्बर 2024 तक जमा करवा दें। मालपुरा ब्लॉक की सभी प्रतिभाएं आवेदन पत्र जमा करवाने के लिए रेल्वे स्टेशन घाटी रोड़ पर अपना मेडिकल स्टोर मालपुरा पर सम्पर्क करें। इस अवसर गजेन्द्र बोहरा, सचिव उमाशंकर ठागरिया, ओमप्रकाश सालोदिया, दामोदर प्रसाद ठागरिया, शशिपाल झारोटिया, पदमचंद सांटीवाल, नरेन्द्र फुलवारिया, रामलाल रैगर, अमित वर्मा, बिशन लाल वर्मा, रामनरेश वर्मा, निर्मल कुमार वर्मा, गिर्राज आदि सहित अन्य समाज बन्धु उपस्थित रहे हैं।

टोडाभीम बामनवास एवं गंगापुरसिटी विधानसभा में फसल खराबे की मांग को लेकर मंत्री ओटाराम देवासी से मुलाकात

संजीवनी टुडे

टोडाभीम(गंगापुरसिटी) भारतीय किसान यूनियन प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने मंत्री ओटाराम देवासी से मुलाकात कर जिला गंगापुरसिटी में भारी अतिवृष्टि से खरीफ की फसलों में हुए नुकसान का सर्वे करवाकर प्रधानमंत्री बीमा योजना के तहत बीमित फसलों के क्लेम दिलवाने की मांग की थी। प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने बताया की क्षेत्र में अवांछित प्राकृतिक घटनाक्रम के कारण खरीफ की फसलों में भारी नुकसान हुआ है एवं पिछली सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में हुई अनियमितताओं एवं प्रीमियम राशि के रूप में अवैध कटौती की जांच करवाने की मांग की थी। मंत्री द्वारा तत्काल संज्ञान में लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग को आदेश जारी कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में गत सरकार के कार्यकाल में हुई अनियमितताओं की जांच कर विभाग को सूचित करने एवं टोडाभीम विधानसभा सहित गंगापुरसिटी जिले में वर्ष 2018 से 2023 तक मौसम सत्र के बीमा क्लेम का विवरण विभाग को भिजवाने के लिए समस्त क्षेत्रीय प्रबंधक टाटा ए.आई.जी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, फ्यूचर जनरली इंडिया, एच.डी.एफ.सी, बजाज एलायंस, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड जयपुर को निर्देश प्रदान किए है। साथ ही टोडाभीम, बामनवास सहित गंगापुरसिटी विधानसभा क्षेत्र में भारी अतिवृष्टि से खरीफ 2024 की फसलों के नुकसान का प्रधानमंत्री बीमा योजना के तहत नियमानुसार सर्वे करवाकर 7 दिवस में बीमित फसलों को क्लेम दिलवाने एवं किसानो की फसल का प्रत्येक वर्ष बीमा करने वाली बैंक/सहकारी समिति द्वारा प्रीमियम राशि के रूप में की जा रही अवैध कटौती की जांच के निर्देश प्रदान किए है।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की उपशाखा रैणी के चुनाव सम्पन्न, शेर सिंह मीना निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

संजीवनी टुडे

रैणी(अलवर)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की उप शाखा रैणी की कार्यकारिणी के चुनाव रविवार को माचाड़ी कस्बे में स्थित भावना सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रांतीय पर्यवेक्षक धर्मेंद्र कुमार जैन एवं निर्वाचन अधिकारी महेश चंद प्रजापत के देखरेख में सम्पन्न हुए। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अतिरिक्त जिला मंत्री प्रदीप मीना ने बताया कि रविवार को आयोजित चुनाव में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा रैणी ब्लॉक की कार्यकारिणी को निर्विरोध घोषित किया गया। जिसमें अध्यक्ष शेर सिंह मीना, मंत्री रामखिलारी सैनी, महिला मंत्री मीना, कोषाध्यक्ष लोकेश शर्मा को सर्वसम्मिति से निर्विरोध चुना गया। प्रांतीय पर्यवेक्षक धर्मेंद्र कुमार जैन एवं निर्वाचन अधिकारी महेश चंद प्रजापत ने सभी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। वहीं रैणी ब्लॉक में से जिला महासमिति में ललतेश शर्मा, लोकेश शर्मा, चंचल शर्मा, रामसिंह बैरवा, लोकेश शर्मा छिलोड़ी, लल्लूराम मीना, ज्ञानदास महावर को शामिल किया गया।

खरतरगच्छाधिपति की निश्रा में कुशल वाटिका ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

संजीवनी टुडे

बाड़मेर। श्री जिनकुशलसूरी सेवाश्रम ट्रस्ट कुशल वाटिका की बैठक श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन भवन पाल सूरत में रविवार को खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. व कुशल वाटिका प्रेरिका बहन म.सा. डॉ. विधुतप्रभा श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा व कुशल वाटिका अध्यक्ष भंवरलाल छाजेड़ की अध्यक्षता में रखी गई। कुशल वाटिका महामंत्री मांगीलाल मालू सूरत ने बताया कि श्री कुशल कान्ति खरतरगच्छ जैन संघ पाल, सूरत में चल रहे संघ शास्ता ऐतिहासिक 2024 चातुर्मास के दौरान विराजमान खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. व बहन म.सा. डॉ. विधुत्प्रभाश्री की पावन निश्रा में रविवार को बैठक रखी गई। सर्वप्रथम गुरूवन्दन के साथ बैठक का शुभारम्भ

हुआ, इसके बाद पिछली बैठक का पठन महामंत्री मांगीलाल मालू सूरत द्वारा किया गया और उपस्थित ट्रस्ट मण्डल द्वारा पुष्टि की गई। मालू ने बताया कि कोषाध्यक्ष बाबुलाल टी बोथरा द्वारा बैठक में आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया व जिस पर ट्रस्ट मण्डल द्वारा चर्चा करने के बाद अनुमोदन किया गया और अध्यक्ष भंवरलाल छाजेड़ द्वारा कुशल वाटिका में निर्माणाधीन समोवसरण के निर्माण को लेकर चर्चा की गई और समोवसरण का निर्माण कार्य तेजी से करवा कर गुरूदेव के हाथों प्रतिष्ठा करवाने की चर्चा हुई। इसी कड़ी में कुशल वाटिका में 16 फरवरी 2024 को होने वाली दीक्षाओं के कार्यक्रम की चर्चा की गई और जल्द ही दीक्षा की कमेटियां बनाकर कार्य सौपें जायेंगे। बैठक का समापन गुरूदेव के मुखारबिन्द से मांगलिक के साथ हुआ। इस दौरान कुशल वाटिका ट्रस्ट मण्डल के कई संरक्षक, पदाधिकारी, ट्रस्टी व सलाहकार उपस्थित थे।

अपने बच्चों को आत्मनिर्भर बनाऐं: जोशी

संजीवनी टुडे

धनाऊ । धनाऊ तहसील मुख्यालय पर स्थित आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक धनाऊ में रविवार को मातृ सम्मलेन का आयोजन किया गया मां अपने बच्चों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाऐ तो जीवन में कभी दुःख का सामना नहीं करना पड़ेगा यह बात विद्या भारती विद्यालय आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक धणाऊ के मातृ शक्ति सम्मेलन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के तौर पर उद्बोधन करते हुए विद्या भारती जोधपुर प्रांत से आए मोहनलाल जोशी प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य ने कहीं तथा बच्चों के विकास में मां की भूमिका के बारे में अपने विचार रखें तथा विद्या भारती द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी मुख्य अतिथि धाई चौधरी व्याख्याता ने भी अपने विचार रखें विद्यालय के प्रधानाचार्य किसनाराम गोदारा ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करवाया तथा विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया कार्यक्रम के दौरान डेना स्वामी उप समिति सदस्य ने सभी मातृ शक्ति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम की अध्यक्षता धनाऊ सरपंच खेमी देवी मूंढ द्वारा की गई कार्यक्रम का संचालन चेतन पंवार द्वारा किया गया इस अवसर पर उप समिति धणाऊ के अध्यक्ष मगनाराम पावड़, कोषाध्यक्ष लेखराज सोनी, उगम कुमार जांगिड़, आसुराम जांगिड़ सहित विद्यालय के आचार्य गण सहित करीब 200 की संख्या में माताएं उपस्थित रही अंतिम रूप में शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम समापन किया गया

राजकीय महाविद्यालय के स्काउट, रोवर्स दल ने किया राजस्थान विधानसभा का भ्रमण

संजीवनी टुडे

राजगढ(अलवर)। राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ के स्काउट, रोवर्स के दल ने राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित डिजिटल म्यूजियम का भ्रमण किया। यह शैक्षिक यात्रा ग्रुप लीडर पवन सैनी एवं राजनीतिक विभाग की एसोसिएट प्रोफ़ेसर रजनी मीना के नेतृत्व में आयोजित की गई । विद्यार्थियों ने फोटोग्राफ, वीडियो और अन्य अत्याधुनिक तकनीकी माध्यमों से लोकतंत्र, विधानसभा के कार्य, प्रशासनिक प्रणाली और जनप्रतिनिधियों व राजनीतिक नायकों के सार्वजनिक जीवन के सफर को देखा। विधानसभा भवन में 26 हजार वर्ग फुट में बने इस विशाल संग्रहालय में विद्यार्थियों ने मंत्रिमंडल, विपक्ष के नेता और अन्य जनप्रतिनिधियों की भूमिका के बारे में जाना। यहां टॉक विद स्पीकर स्टूडियो और अन्य गतिविधियों में भाग लेकर विद्यार्थियों ने रोमांच का अनुभव किया। प्राचार्य प्रोफ़ेसर के. एल. मीना ने बताया कि विधानसभा में तैयार किया गया यह डिजिटल म्यूजियम विशिष्ट प्रकृति का है इसमें नवीनतम तकनीक के माध्यम से राजस्थान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां हिन्दी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध करवाई गई है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के तौर-तरीके के बारे में ज्यादा जानकारियां प्राप्त होगीं ।

सद्भावना दिवस के रूप में राजीव अरोड़ा ने मनाया अपना 68वां जन्मदिन

संजीवनी टुडे

जयपुर। आरटीडी व राजसिको के पूर्व चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने सद्भावना दिवस और ऑर्गन डोनेशन अभियान संकल्प के साथ रविवार को अपना 68वां जन्मदिन मनाया। परस्पर सद्भावना के संदेश को समर्पित समाजसेवी संस्थान सद्भावना के सिपाही संगठन का यह सद्भावना स्नेह मिलन कार्यक्रम रहा। सी-स्कीम स्थित अपने निवास पर एक सादा समारोह में कांग्रेस सरकार के पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने कहा कि ऑर्गन डोनेशन से एक जिन्दगी रोशन होती है। उसके परिवार में मुस्कान लाती है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 25 वर्षो से सद्भावना के सिपाही के तौर पर कार्य करते हुए गौरव का अनुभव कर रहे हैं। समाज के जरूरतमंद लोगों को हर संभव मदद का प्रयास करने में समर्पित हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं और शुभ चिंतकों से अंगदान के आंदोलन से जुड़ने का आग्रह किया। वर्तमान में राजीव अरोड़ा राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के पूर्व चेयरमैन, जयपुर सिटीजन फोरम के चेयरमैन और यूनीराज एल्युमिनी फ़ेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत मोती

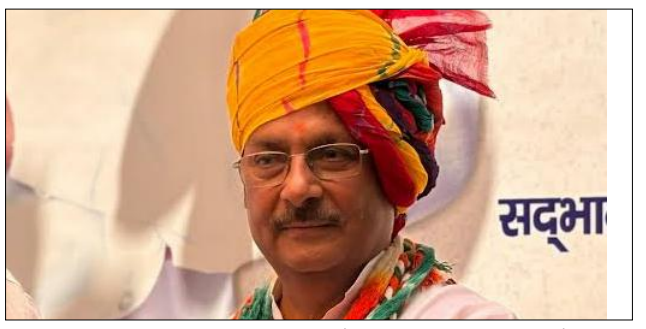

डूंगरी गणेश मंदिर से शुरूहुई। समापन पर शहर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में आचार्य खगोल कृष्ण शास्त्री की भागवत कथा के कार्यक्रम में महा आरती में सम्मानित किया गया। कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री बृजकिशोर शर्मा, पूर्व मंत्री महेश जोशी, पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव डीबी गुप्ता, महंत कैलाश शर्मा, पूर्व न्यायधीश एनके जैन, पूर्व राज्यमंत्री महेश शर्मा समेत बॉलीवुड कलाकार जोजो ने भी राजीव अरोड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। देश-दुनिया के मशहूर फनकार ग्रेमी अवॉर्ड विनर मोहनवीणा वादक पं.विश्वमोहन भट्ट और फर्स्ट इंडिया न्यूज चैनल के हैड जगदीश कातिल ने जन्मदिन का बधाई संदेश प्रेषित किया। राजस्थान चैंबर कॉमर्स के डॉ. केएल जैन, शहर कांग्रेस मुखिया आरआर तिवाड़ी, खानू खान बुधवाली, गिरिराज गर्ग, वैश्य महासम्मेलन के शहर के नामी बिल्डर गोपाल गुप्ता, जेडी माहेश्वरी, पवन गोयल, शिक्षा जगत के यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी राजीव जैन, महारानी कॉलेज प्रिंसिपल निमाली सिंह कई सेवारत एवं सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों ने राजीव अरोड़ा को बधाई देते हुए सद्भावना को आदिकाल से लेकर आज के आर्टिफिसिल इंटेलिजेंस के युग तक जरूरी तत्व बताया। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ राजनेता, कार्यकर्ता, शहर के कई गणमान्य लोग समेत प्रदेशभर से विभिन्न क्षेत्रों की कई नामी हस्तियां मौजूद रहीं।

इंडियन ऑयल कंपनी का ग्राहक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

संजीवनी टुडे

भीनमाल। शहर में इंडियन ऑयल कंपनी द्वारा नेहरू बालोद्यान में ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें इंडेन कंपनी के नये प्रोडक्ट कंपोजित गैस सिलिंडर की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी पंकज शर्मा एवं आशिफ खान (सहायक प्रबधक एलपीजी सेल्स)रहे साथ ही कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि के रूप में प्रवर्तन निरीक्षक प्रदीप परिहार ,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सरोज बाफ़ना,नगर पालिका पार्षद गोमती सांखला,भाजपा पूर्व नगर अध्यक्ष भरतसिंह भोजाणी,महात्मा गांधी विद्यालय प्रधानाध्यापिका कीर्ति वाजपेयी भाजपा नेता जोरावर सिंह राव, ओमप्रकाश खेतावत उपस्थित थे।इस अवसर पर सहायक प्रबधक (खण्ड) आशिफ खान ने इंडेन ऑयल के बारे में और इसकी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी कंपोजिट सिलेंडर के बारे में विस्तार से बताया और नए जुड़े ग्राहकों को उपहार दिए गए। इस अवसर पर हरि ओम इंडेन ,लीलाधारी इंडेन , पुनासा इंडेन गैस एजेंसियां के कर्मचारियों एवं भीनमाल के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन किशोर सांखला, खुमानसिंह राठौड़,मीठालाल जांगिड़ सहित कई लोग उपस्थित रहे।

कफ़न नाटक का कलाकारों द्वारा किया मार्मिक मंचन

संजीवनी टुडे

जयपुर। कला साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग और रविंद्र मंच की ओर से संचालित टैगोर थिएटर योजना के तहत शुक्रवार को नाटक कफन का मंचन किया गया। मुंशी प्रेमचंद लिखित कहानी कफन का नाट्य रूपांतरण एवं निर्देशन जयपुर के युवा निर्देशक विपिन शर्मा ने किया। नाटक समाज में व्याप्त गरीबी, शोषण और मानवता के पतन की एक मार्मिक तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह नाटक उन लोगों की दुर्दशा को उजागर करता है, जिनके जीवन में गरीबी और भूख इतनी हावी हो जाती है कि मानवीय संवेदनाएं गौण हो जाती हैं। नाटक समाज में व्याप्त गरीबी, शोषण और मानवता के पतन की एक मार्मिक तस्वीर प्रस्तुत करता है। नाटक समाज में व्याप्त गरीबी, शोषण और मानवता के पतन की एक मार्मिक तस्वीर प्रस्तुत करता है। कहानी का केंद्र बिंदु एक गरीब परिवार है जिसमें घीसू और उसका बेटा माधव शामिल हैं। ये दोनों मजदूर हैं, लेकिन काम करने की बजाय आलस और निकम्मेपन में अपना जीवन बिता रहे हैं। उनकी दयनीय स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके पास दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए भी साधन नहीं हैं। कहानी में माधव की गर्भवती पत्नी बुधिया जो 13 साल की है और प्रसव पीड़ा से

गुजर रही होती है, लेकिन घीसू और माधव उसकी चिंता करने की बजाय पास के गांव से आलू चुराकर खाने में मशगूल हो जाते हैं। बुधिया की मृत्यु हो जाती है, लेकिन पिता-पुत्र पर इसका कोई असर नहीं होता।।यह नाटक उन लोगों की दुर्दशा को उजागर करता है, जिनके जीवन में गरीबी और भूख इतनी हावी हो जाती है कि मानवीय संवेदनाएं गौण हो जाती हैं। यह नाटक उन लोगों की दुर्दशा को उजागर करता है, जिनके जीवन में गरीबी और भूख इतनी हावी हो जाती है कि मानवीय संवेदनाएं गौण हो जाती हैं।

बुधिया की मृत्यु के बाद, गांव के लोग कफन के लिए चंदा इकट्ठा करते हैं। लेकिन, घीसू और माधव उस पैसे का उपयोग कफ़न खरीदने की बजाय शराब पीने और अच्छे खाने में कर देते हैं। यह दृश्य नाटक में एक गहरे व्यंग्य के साथ प्रस्तुत किया गया है। जहां एक तरफ एक इंसान की मृत्यु हो चुकी है, वहीं दूसरी तरफ घीसू और माधव इस पैसे से अपनी भूख और लालच को संतुष्ट कर रहे हैं। इस कहानी का यह मोड़ मानवता के पतन और संवेदनहीनता की चरम सीमा को दर्शाता है।।नाटक के माध्यम से प्रेमचंद ने केवल गरीबी और भूख की भयावहता को उजागर किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि जब इंसान पर गरीबी और शोषण का बोझ हद से ज्यादा बढ़ जाता है, तो उसकी नैतिकता और मानवता मर जाती है। घीसू और माधव जैसे पात्रों के माध्यम से लेखक ने यह संदेश दिया है कि जब इंसान के पास भूख मिटाने के साधन नहीं होते, तो उसकी संवेदनाएं और मानवीय मूल्य धीरे-धीरे क्षीण हो जाते हैं। कफन का मंचन न केवल एक कहानी का प्रदर्शन है, बल्कि यह समाज के उन अंधेरे कोनों की ओर इशारा करता है जहां इंसान केवल मरजीवित रहने के लिए ही संघर्ष करता है। यह नाटक हमें हमारे समाज में व्याप्त असमानताओं, गरीबी और सामाजिक शोषण पर सोचने को मजबूर करता है। नाटक में महेश योगी, आसिफ शेर अली खान, संजय कुमार शर्मा, रिया सैनी, यशोदा सेन, शेफाली गुप्ता, विपिन शर्मा, तन्मय जैन, निकिता जैन, वेद प्रकाश, संजय कुमार सेन, हरीश वर्मा ने अभिनय किया।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा मालपुरा के वार्षिक चुनाव संपन्न, बंशीलाल शर्मा बने निर्विरोध अध्यक्ष

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। आदर्श विद्या मंदिर पुरानी तहसील मालपुरा में कल 22 सितंबर 2024 को राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के चुनाव निर्वाचन अधिकारी सीताराम साहू, सहायक निर्वाचन अधिकारी कालूराम माली एवं पर्यवेक्षक ओम प्रकाश शर्मा की देखरेख में निर्विरोध संपन्न हुए। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता जगदीश गुर्जर एवं राजेंद्र प्रसाद शर्मा भी उपस्थित रहे। सुरेश विजय ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद पर बंशीलाल शर्मा, मंत्री पद पर मुकेश नामा एवं कोषाध्यक्ष पद पर संजय सिंह व महिला मंत्री योगिता शर्मा के साथ-साथ सभाअध्यक्ष पद पर बाबूलाल यादव, उपसभाध्यक्ष पद पर सुरेश विजय एवं भंवर कुम्हार, उपाध्यक्ष शिवराज शर्मा, महिला उपाध्यक्ष कृष्णा विजयवर्गीय, प्रधानाचार्य प्रतिनिधि धर्मेंद्र जैन, प्राध्यापक प्रतिनिधि शंकर दयाल शर्मा, वरिष्ठअध्यापक प्रतिनिधि राजेंद्र वर्मा,अध्यापक प्रतिनिधि प्रहलाद राय नामा ,महिला शिक्षक जयमाला, प्रयोगशाला सहायक ब्रजराज सिंह खंगारोत, कंप्यूटर शिक्षक संजय सिंह, पंचायत शिक्षा प्रतिनिधि महावीर बैरवा को पद की शपथ दिलाई गई।

खबरें फटाफट

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम मूल्यांकन परीक्षा का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

टोडारायसिंह (केकड़ी)। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन कल रविवार 22 सितंबर 2024 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडारायसिंह के औद्योगिक परिसर सहित ब्लॉक के प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर में आयोजन किया गया। परीक्षा में शत प्रतिशत लक्ष्य से अधिक साक्षरों ने भाग लिया। ब्लाक कोर्डिनेटर सत्यनारायण पारीक ने बताया कि जिसमें नवसाक्षरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साक्षरता के ब्लॉक कोर्डिनेटर सत्यनारायण पारीक एवं राजकुमार शर्मा ने परीक्षा केंद्र का अवलोकन कर संतोष प्रकट किया। ब्लॉक टोडा रायसिंह को निर्धारित लक्ष्य 2614 से एक अधिक 2615 साक्षर परीक्षा में बैठे। अलियारी पंचायत में 80 के मुकाबले 81 साक्षर बैठे हैं। 31 ग्राम पंचायत में 80 का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस अवसर पर पर्यवेक्षक हंसराज गुर्जर, महेश चन्द दाधीच एवं किस्तूर चन्द माली उपस्थित रहे। परीक्षार्थी बारी-बारी से आते रहे और परीक्षा देते रहे। परीक्षार्थियों में उत्साह का माहोल था।

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रामगढ विधायक दिवंगत जुबेर खान के परिजनों का ढाढ़स बंधाया

संजीवनी टुडे

अलवर। गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य विभाग राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को रामगढ विधायक दिवंगत जुबेर खान के अलवर स्थित निवास पर जाकर उनके पुत्र आदिल खान व आर्यन खान सहित शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर उनका का ढाढ़स बंधाया। उल्लेखनीय है कि रामगढ विधायक श्री जुबेर खान का लम्बी बीमारी के पश्चात शनिवार 14 सितंबर को प्रातः देहांत हो गया था। इस दौरान राजेन्द्र कसाना सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं परिजन मौजूद रहे।

डॉ अरविंद जायसवाल हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रभारी नियुक्त

संजीवनी टुडे

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव के निर्देशानुसार एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष हरसहाय यादव ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉ अरविंद जायसवाल को हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रभारी नियुक्त किया है डॉ जायसवाल विशेष रूप से रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र में पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं से मुलाकात कर पार्टी के पक्ष में मतदान करवाने की अपील करेंगे और वहां के प्रत्याशी को जिताने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे जायसवाल ने इस जिम्मेदारी के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी विभाग के हरसहाय यादव नेशनल कोऑर्डिनेटर राजेंद्र सेन एवं पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है

अन्जुमन फलाहुल मन्सूर सोसायटी, उदयपुर के सदस्यों का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

संजीवनी टुडे

उदयपुर। रविवार को अंजुमन फलाहुल मंसूर सोसायट उदयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष अब्दुल लतीफ मंसुरी व अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों को टगट्ट मेडिकल कालेज उद?यपुर के सभागार में शपथग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। समारोह का आगाज़ मोलाना बरकाती ने तिफावते कुरान से किया। इसी समारोह में मंसुरी समाज के शिक्षकों, और शिक्षिकाओं और समाज सेवियों का सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता हाजी जमालुद्दीन कार्डर और माहम्मर रफीक गुलाबपुरा ने की। समारोह का संचालन डाक्टर समा खान मंसुरी और फिरदोस मंसूरी ने किया। समारोह में अब्दुल लतीफ मंसूरी, मोहम्मद रफीक मंसुरी, गुलाव पुरा आदि रहे।

निरंतर दो दिनों तक जजों से रूबरू होकर दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

डीएलएसए की ओर से आयोजित विशेष रूप से सक्षम (दिव्यांग) बच्चों की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन

संजीवनी टुडे

राजसमंद। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजसमंद और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्री द्वारकेश अक्षम सेवा संस्थान द्वारा संचालित जागृति उच्च माध्यमिक विशिष्ट विद्यालय, गारियावास में विशेष रूप से सक्षम बच्चों हेतु आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य समापन हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने और मानसिक तथा शारीरिक रूप से प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के विशेष रूप से सक्षम बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कबड्डी, बैडमिंटन, बोसी बॉल, कैरम, चित्रकला, लंबीकूद, और गोला फेंक जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायाधीश एमएसीटी अश्विनी कुमार यादव और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संतोष अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, प्रमाण-पत्र, और मेडल देकर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की। न्यायाधीश एमएसीटी यादव ने कहा कि विशेष रूप से सक्षम बच्चों की खेल प्रतियोगिता एक ऐसा मंच है, जहां बच्चे अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करते हैं और यह दिखाते हैं कि इच्छाशक्ति और मेहनत किसी भी चुनौती को पार कर सकती है। प्रतिभागियों की खेल में भागीदारी ने यह साबित किया है कि वे जीवन की हर चुनौती को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह से तैयार

हैं। प्राधिकरण के सचिव संतोष अग्रवाल ने बताया कि विशेष रूप से सक्षम बच्चों ने जिस आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ इन खेलों में भाग लिया, वह न केवल प्रेरणादायक था, बल्कि हम सभी के लिए एक सीख भी है। जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं, लेकिन आप सभी ने दिखाया कि दृढ़ निश्चय से कोई भी बाधा पार की जा सकती है। अंत में, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एकल प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन में हरिओम प्रथम, रोहित द्वितीय, निशा तृतीय रहे। कैरम में नारायण माली प्रथम, मनीष गाडरी द्वितीय, मनीष कडेचा तृतीय स्थान पर रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में ललिता शर्मा प्रथम, गणपत सिंह द्वितीय, रीना भील तृतीय रहीं। गोला फेंक प्रतियोगिता में बसंतीलाल प्रथम, नरेश लाल द्वितीय, और वीरमल तृतीय रहे। लंबीकूद प्रतियोगिता में रोहित गाडरी प्रथम, बसंतीलाल द्वितीय, और जसराज तृतीय स्थान पर रहे। समूह प्रतियोगिताओं में कबड्डी में प्रथम स्थान पर टीम महिपाल और अन्य, द्वितीय स्थान पर टीम रोहित गायरी और अन्य, एवं तृतीय स्थान पर टीम जसराज और अन्य रही। बोसी बॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर टीम कुनाल सोनी और अन्य, द्वितीय स्थान पर टीम मनीष गाडरी और अन्य, एवं तृतीय स्थान पर टीम देउ कुमारी सुथार और अन्य रही। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में दिनेश शर्मा, ताराचंद जांगिड़, दिनेश पूर्बिया, ख्यालीलाल पालीवाल, कन्हैयालाल करोतिया, रविना रेगर, ओमप्रकाश पालीवाल, और तुलसीराम सालवी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, विशिष्ट अतिथि राकेश परियानी (संस्थापक), अनिता परियानी (संस्थाप्रधान, स्थानीय विद्यालय), श्यामसिंह सिसोदिया (संयुक्त सचिव, जिला खेलकूद केंद्र), और दिनेशकुमार सनाढ्य (सचिव, जिला कबड्डी संघ) उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कल से हुआ शुरू, खिलाड़ियों को सिखाए कबड्डी के गुर

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बृजलाल नगर मालपुरा में 68 वी जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 14 वर्षीय छात्र/छात्रा 2024 - 25 का आयोजन गत 15 सितम्बर 2024 से 19 सितम्बर 2024 तक किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयन होने वाले खिलाड़ियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कल रविवार 22 सितम्बर से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बृजलाल नगर में आरम्भ हुआ। राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में टोंक जिले का नेतृत्व करने वाली 14 वर्षीय छात्र/ छात्रा टीम को प्रतियोगिता संयोजक नन्दलाल योगी द्वारा पूर्वाभ्यास करवाया गया। साथ ही कबड्डी खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बारीकी से कबड्डी के गुर सिखाए गए। शारिरिक शिक्षक नन्दलाल योगी ने खिलाड़ियों का हौंसला बढाते हुए कहा कि खिलाड़ी को अंतिम चरण तक हार नहीं माननी चाहिए। कोई भी प्रतियोगिता बिना आत्मविश्वास के नहीं जीती जाती है। टीम में प्रत्येक खिलाड़ी

का आत्मविश्वास और एकता के साथ साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन टीम को विजय श्री दिलाता है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में आप सब अपने अपने विद्यालय की ओर से प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। लेकिन अब आपका दायरा आपके विद्यालय तक ही सीमित नहीं रहा। अब आपकी टीम पूरे टोंक जिले की टीम है। राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में आपका उत्कृष्ट प्रदर्शन ही टोंक जिले का नाम प्रदेश में रोशन करेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तर पर चयन होने वाले यह सभी खिलाड़ी रायसिंहनगर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में टोंक जिले की टीम के रूप में भाग लेंगे।

प्रत्येक कार्यकर्ता सदस्यता अभियान को एक पर्व के रूप में मनाए: अरुण चतुर्वेदी

संजीवनी टुडे

अलवर। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने रविवार को जिला कार्यालय पर सदस्यता अभियान की एक समीक्षा बैठक ली। बैठक जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की सदस्यता अभियान प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा और अधिक से अधिक सदस्य बनने पर बल दिया तथा कहा कि आगामी 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है इस अवसर पर प्रत्येक बूथ पर 100 सदस्य बनाने है तथा 29 सितंबर, आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को बूथ पर सुनना है तथा बूथ की टोली के साथ घर-घर जनसंपर्क कर अधिक से अधिक संख्या में भाजपा के सदस्य बनाने है इस अवसर

पर सदस्यता अभियान जिला संयोजक हरिशंकर खंडेलवाल जिला महामंत्री गोवर्धन सिंह सिसोदिया, राम अवतार चौधरी, जिला उपाध्यक्ष हरीश यादव जिला मंत्री मीना सैनी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता सोशल मीडिया प्रभारी कुश कौशिक, सदस्यता अभियान अलवर शहर विधानसभा प्रभारी जितेंद्र सिंह राठौड़,जिला पार्षद सरदार गगनदीप सिंह, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष सुदेश खांब्रा,भूपेंद्र सिंह राठौड़, रविराज सिंह चौहान सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मिडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

एकल अभियान अंचल सिरोही के संच पिण्डवाडा अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई

संजीवनी टुडे

पिण्डवाडा/सिरोही। एकल अभियान अंचल सिरोही के संच पिंण्डवाड़ा की अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता राजकीय प्राथमिक विद्यालय परियाफली मोरस में आयोजित की गई। जिसमें कबड्डी बालक वर्ग में जोड़ फली की टीम विजेता तथा घरट की टीम उपविजेता रही।बालिका वर्ग में बड़ा कुआं की टीम विजेता रही हैम् और मोरस की टीम उपविजेता रहीम् लंबी कूद बालक वर्ग में रमेश कुमार प्रथम तथा शंकर लाल ने द्वितीय स्थान हासिल किया । वही बालिका वर्ग लम्बी कूद में सुरता कुमारी प्रथम तथा केशी कुमारी द्वितीय स्थान पर रही। बालक वर्ग ऊंची कूद में की जितेश कुमार प्रथम तथा शंकर लाल द्वितीय स्थान पर रहा। वही दौड़ में केशी कुमारी प्रथम,शिवानी कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के सभी भामाशाहों /दानदाताओं का स्वागत सत्कार किया गया तथा विजेता टीम के खिलाड़ियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवम् मेडल देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मोतीलाल सह खण्ड कार्यवाह पिंण्डवाड़ा, हितेश विस्तारक पिंण्डवाड़ा, चन्दन रावल उपखंड कार्यवाह मालेरा, संच समिति कोषाध्यक्ष साहिबाराम, अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रमुख सिरोही, चौपाराम आपरीखेडा संचप्रमुख पिंण्डवाड़ा, निर्णायक विक्रम कुमार मोरस, निर्णायक रूपाराम अध्यापक मालेरा, अरविन्द अध्यापक मोरस, जालमाराम अध्यापक संच समिति सदस्य,शनि एलडीसी मोरस,आचार्य भैया बहने समेत मोरस गांव के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एनटीटी भर्ती पूरी करवाने की मांग को लेकर गृह राज्य मंत्री बेढम को सौंपा ज्ञापन

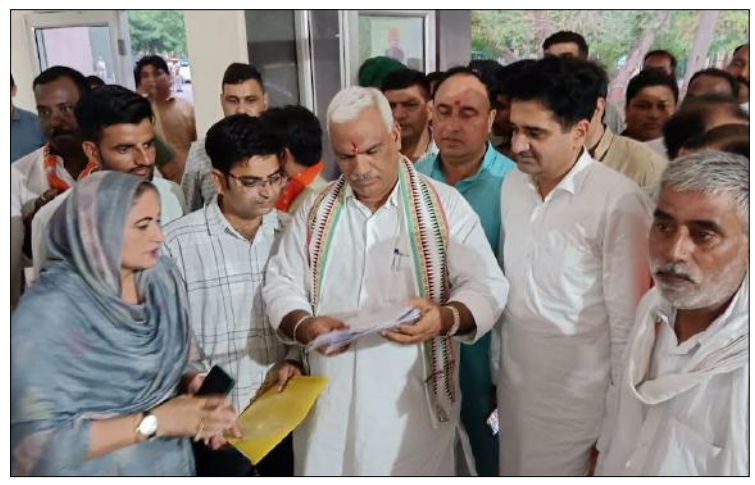

संजीवनी टुडे

हनुमानगढ़। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैढम को एनटीटी संघर्ष समिति के प्रदेश महासचिव विष्णु शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा गया। एनटीटी संघर्ष समिति के प्रदेश महासचिव विष्णु शर्मा ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग में एनटीटी भर्ती 2018 में 1350 पदों पर निकाली गई थी। उसमें 1040 नॉन टीएसपी 310 टीएसपी पदों पर, जो अभी शिक्षा विभाग में भर्ती प्रक्रियाधीन है और छः साल से लंबित है। इस भर्ती में अब तक 924 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी हैं। शेष पदों को भरने के लिए दस्तावेजों का सत्यापन हेतु दिनांक 9 से 12 जुलाई तक किया गया था। इसका फाइनल परिणाम जल्द जारी करने की मांग की गई। अगली सूची में एमबीसी के रिक्त पदों व जिन्होंने ने अभी तक ज्वाइन नहीं किया है उन पदों को अगली सूची में जोड़कर परिणाम जारी किया जाए। राजस्थान में एनटीटी कोर्स 2010 से पूर्ण रूप से बंद है। एनटीटी भर्ती में टीएसपी के पद 2012 से खाली चले आ रहे हैं और आगे भविष्य में कोई टीएसपी का अभ्यर्थी मौजूद नहीं होने के कारण इन पदों को नान टीएसपी से भरने की मांग की गई। ज्ञापन देने के दौरान अनिल,नीलम, रानी, मनीषा,अंकुश आदि मौजूद रहे।

पत्रकार कॉलोनी मे परिंदो को दानापानी अभियान का आगाज

संजीवनी टुडे

जयपुर। नीड़ संस्था और पत्रकार कॉलोनी विकास समिति के तत्वावधान मे रविवार को पक्षियों को दानापानी अभियान के तहत कॉलोनी के सामुदायिक केंद्र पार्क मे परिंदे एवं चुगापात्र पेड़ो पर लगाए गए। इस अवसर पर आयोजित समारोह मे पूर्व आईएएस अधिकारी श्याम सुन्दर बिस्सा, पूर्व वित्त सचिव नरेश कुमार ठकरल, एसएमएस हॉस्पिटल के प्राचार्य डॉ दीपक माहेश्वरी पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाने की अपील की और परिंदो की सेवा को पुण्य का कार्य बताया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अमृता देवी पुरस्कार सम्मानित अभिलाषा चौधरी ने परिंदो की कई प्रजातियों के लुप्त होने पर चिंता जताई और उन्हें संरक्षण देने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। चौधरी ने पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए बताया कि उन्होंने 16 साल कि उम्र से पेड़ लगाना शुरू किया और बारह साल मे डेढ़ लाख पेड़ लगाए है। उन्होंने आह्वान किया कि आनेवाली पीढ़ी के लिए हम एक पेड़ लगाकर उसे बड़ा करें .इस मोके पर नीड़ संस्था के संयोजक अजीत तिवारी, विकास समिति के अध्यक्ष कानाराम कड़वा, महा सचिव नरेंद्र सर्वोदयी मौजूद रहे। कार्यक्रम मे कवि बनज़ कुमार बनज, किशोर पारीक, भगवान सहाय वैद्य ने काव्य पाठ किया। आभार प्रदर्शन नीड़ संस्था के प्रशांत जैन ने किया। इस मोके पर कॉलोनी के मुख्य पार्क मे आधा दर्जन पेड़ो पर पर परिंदे एवं चुग्गा पत्र लगाए गए। समारोह मे वरिष्ठ पत्रकार श्याम सुन्दर शर्मा, डॉ जेपी गुप्ता, सतगुरु गुप्ता, मदन जैन, राकेश मातवा, मान सिंह मनराल,गोविन्द गोयल, देव कुमार, रतिराम अग्रवाल, अंजू ठकराल, पुष्पा शर्मा, प्रियंका जैन, मृदुल शर्मा सहित काफ़ी संख्या मे लोग मौजूद थे।

पहाड़ पर स्थित नशियाँ जी पर 8वां वार्षिक कलशाभिषेक समारोह सम्पन्न

संजीवनी टुडे

टोडारायसिंह (केकडी)। जैन समाज और चतुर्मास कमेटी अध्यक्ष संतकुमार जैन और प्रवक्ता मुकुल जैन ने बताया कि नशियाँ युवा मंच द्वारा मुनि शुभम सागर जी और मुनि सक्षम सागर जी के सानिध्य में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रविवार को दोपहर में पहाड़ पर स्थित शांतिनाथ जिनालय नशियाँ जी पर वार्षिक कलशाभिषेक और भव्य पंचामृत अभिषेक, और शांतिधारा सम्पन्न हुआ। और भोजन, सांयनकालींन महाआरती, भक्ताम्बर पाठ का आयोजन हुआ । इसके लिए नसियां युवा मंच द्वारा सभी का धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर मुनि शुभम सागर जी ने कहा कि जिन प्रतिमा का अभिषेक होता है, जिनेन्द्र का अभिषेक नहीं होता है। जिनेन्द्र तृप्त हो जाते हैं इसलिए उनका आहार भी नहीं होता है। ये अभिषेक पूजा के पूर्व आरम्भ की क्रिया है और अभिषेक के अभाव में पूजा अधूरी मानी जाती है। इसलिए पहले अभिषेक महोत्सव किया जाता है बाद में भगवान की पूजा की जाती है। तो ये जिन प्रतिमा का अभिषेक है।

आगम में भगवान के अभिषेक के साथ जो अभिषेक जुड़े हैं वे हैं- जन्माभिषेक, राज्याभिषेक, वैराग्य अभिषेक और चौथा अभिषेक है जिनाभिषेक, वो जिन प्रतिमा का अभिषेक है। ये चार भगवान के साथ जुड़ते हैं और एक अभिषेक है देवाभिषेक, जो स्वर्ग में उत्पन्न होने वाले देवों के द्वारा (जो भी कोई तुरंत देव उत्पन्न होता है) उनका जन्मोत्सव मनाते हैं। उन्हें सिंहासन पर बैठाकर अन्य देव लोग उनका स्नान कराते हैं, इसको बोलते हैं देवाभिषेक। तो ये आगम का विधान है इसलिए अरिहंत भगवान का अभिषेक करने में कोई बाधा नहीं है। सभी कार्यक्रम पंडित संजीव कासलीवाल द्वारा संपन कराये गए।

प्रांत स्तरीय 'भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

संजीवनी टुडे

भिवाड़ी। भारत विकास परिषद्, राजस्थान उत्तर पूर्व प्रांत द्वारा आरपीएस स्कूल, भिवाड़ी के सभागार में प्रांत स्तरीय 'भारत को जानो' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को भारत के समृद्ध इतिहास, संस्कृति, और ज्ञान से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसे मुख्य अतिथि डीएसपी मुकेश चौधरी, श्री मनोज कुमार बंसल (आर.एम. रीको, भिवाड़ी), प्रांतीय अध्यक्ष श्री आर.एस. सक्सेना, प्रांतीय महासचिव श्री रणवीर सिंह त्यागी, क्षेत्रीय पर्यवेक्षक श्री हेमंत जोशी, सी.ए. आर.के. गुप्ता (क्षेत्रीय सचिव वित्त), डॉ. नीरज अग्रवाल एवं शाखा अध्यक्ष डॉ. राकेश सोनी ने संपन्न किया। आरपीएस स्कूल की छात्रा द्वारा प्रस्तुत 'वंदे मातरम' ने कार्यक्रम को प्रेरणादायक आरंभ दिया। शाखा अध्यक्ष डॉ. राकेश सोनी ने उपस्थित अतिथियों का हार्दिक स्वागत

किया। इसके बाद, कार्यक्रम की सह प्रभारी डॉ. मोनिका रस्तोगी ने 'भारत को जानो' प्रतियोगिता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता का संचालन केबीसी की तर्ज पर विजय रोहिल्ला एवं उनकी टीम ने किया।

प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग में कुल 18-18 टीमों ने भाग लिया। जूनियर वर्ग में:- प्रथम स्थानः भिवाड़ी शाखा- द्वितीय स्थानः बहरोड़ शाखा- तृतीय स्थानः महानगर शाखा (जयपुर)- सांत्वना पुरस्कारः वैशाली शाखा और चित्रकूट शाखा (जयपुर) सीनियर वर्ग में:- प्रथम स्थानः अलवर शाखा - द्वितीय स्थानः चित्रकूट शाखा - तृतीय स्थानः आदर्श नगर शाखा (जयपुर) - सांत्वना पुरस्कारः विजयनगर शाखा और विवेकानंद शाखा (जयपुर) कार्यक्रम का सफल संयोजन प्रांतीय प्रकल्प प्रमुख डॉ. नितिन रस्तोगी द्वारा किया गया एवं मंच संचालन अर्चना नाकरा ने कुशलतापूर्वक संभाला। इस अवसर पर परिषद के कई गणमान्य सदस्य एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण, बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे। शाखा सचिव सुनीता यादव ने अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

सम्पादक की कलम से....
सम्पादकीय

जनता के बीच वित्तीय साक्षरता बढ़ा रही मोदी सरकार

सामान्य तौर पर वित्तीय समावेशन की सफलता का आकलन इस बात से हो सकता है कि सरकार द्वारा इस सम्बंध में बनायी जा रही नीतियों का फ़ायदा समाज के हर तबके, मुख्य रूप से अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुँच रहा है। भारत में वर्ष 1947 में 70 प्रतिशत लोग ग़रीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे थे। जबकि अब वर्ष 2024 में देश की कुल आबादी का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। 1947 में देश की आबादी 35 करोड़ थी जो आज बढ़कर 136 करोड़ हो गई है। देश में वित्तीय समावेशन को सफलतापूर्वक लागू किए जाने के कारण ही ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या में भारी कमी देखने में आई है। केंद्र में वर्तमान मोदी सरकार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद से तो वित्तीय समावेशन के कार्यान्वयन में बहुत अधिक सुधार देखने में आया है। उसके पीछे मुख्य कारण देश में विभिन्न वित्तीय योजनाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाना है। केंद्र सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई जन-धन योजना ने इस संदर्भ में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। जब यह योजना प्रारम्भ की जा रही थी तब कई लोगों द्वारा यह सवाल उठाए गए थे कि देश में पहिले से ही इस तरह की कई योजनाएँ मौजूद हैं, फिर इस एक और नई योजना को शुरू करने की क्या ज़रूरत है। आज समझ में आता है कि जन-धन योजना के अंतर्गत करोड़ों देशवासियों के खाते खोले गए, कुल लगभग 40 करोड़ खाते विभिन्न बैंकों में खोले गए हैं, विशेष रूप से महिलाओं के 22 करोड़ खाते खोले गए हैं, जिनके खातों में आज सीधे ही सब्सिडी का पैसा केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा हस्तांतरित किया जा रहा है। मनरेगा योजना की बात हो अथवा केंद्र सरकार की अन्य योजनाओं की बात हो, पहिले ऐसा कहा जाता था कि केंद्र से चले 100 रुपए में से शायद केवल 8 रुपए से 16 रुपए तक ही अंतिम हितग्राही तक पहुँच पाते हैं, परंत आज हितग्राहियों के खातों में सीधे ही राशि के जमा करने के कारण बिचौलियों की भूमिका एकदम समाप्त हो गई है एवं हितग्राहियों को पूरा का पूरा 100 प्रतिशत पैसा उनके खातों में सीधे ही जमा हो रहा है। यह वित्तीय समावेशन की दृष्टि से एक क्रांतिकारी क़दम सिद्ध हुआ है। अभी हाल ही में कोरोना वायरस की महामारी के समय, अप्रैल-मई-जून 2020 के तीन महीनों में महिलाओं के बैंक खातों में करीब-करीब 30,000 करोड़ रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। कुछ अन्य योजनाओं को मिलाकर तो विभिन्न लाभार्थियों के बैंक खातों में करीब-करीब 90,000 करोड़ रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। इसी प्रकार, 7 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर दिए गए हैं, राशन कार्ड हो या न हो, 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अन्न की व्यवस्था की गई है।

पूर्व में आपको ध्यान होगा कि किसी भी बैंक में खाता खोलने के पहिले एक परिचयकर्ता की आवश्यकता होती थी, उसके हस्ताक्षर के बिना बैंकों में खाता खोलना बहुत ही मुश्किल भरा कार्य हुआ करता था, परंतु सरकार ने इस नियम को हटाकर आधार कार्ड से खातों को जोड़कर इस कार्यविधि को बहुत ही आसान कर दिया। इस प्रकार के कई नियमों का केंद्र सरकार ने सरलीकरण किया है, अतः वित्तीय समावेशन भी आगे बढ़ा है। इसी प्रकार देश में जब प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना लागू की जा रही थी तब भी यह मुद्दा उठाया गया था कि इस प्रकार की योजनाएँ लोगों तक पहुँचाना आसान नहीं होगा। परंतु आज हम देखते हैं कि वित्तीय समावेशन से जुड़ी इन योजनाओं को देश में सफलता पूर्वक लागू कर लिया गया है एवं आज करोड़ों हितग्राही इन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। इन योजनाओं को भी हितग्राहियों के बैंक खातों से जोड़ दिया गया है ताकि अधिक से अधिक लोग इन बीमा योजनाओं का लाभ उठा सकें। भारत में कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ग्रामीण इलाक़ों में रहता है एवं अपने रोज़गार के लिए मुख्यतः कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर हैं। इस प्रकार भारत में कृषि का क्षेत्र एक सिल्वर लाइनिंग के तौर पर देखा जाता है एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बहुत पैसा किसानों के हाथों में पहुँचाया जा रहा है। मनरेगा योजना के अंतर्गत 60,000 करोड़ रुपए ग्रामीण इलाक़ों में मज़दूरों के खातों में सीधे हस्तांतरित किए गए हैं तो रुपए 2000 प्रति तिमाही की दर से लगभग 9 करोड़ किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित हो रहे हैं जोकि पूरे वर्ष भर में रुपए 72,000 करोड़ रुपए होता है। इन समस्त उपायों से भी वित्तीय समावेशन की स्थिति देश में लगातार सुधर रही है। साथ ही, इस वर्ष हमारे देश के लिए, मानसून की स्थिति काफ़ी अच्छी है तो इससे ख़रीफ़ अवधि की फ़सल अच्छी होगी।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

आंतक के मॉड्यूल को तोड़ना होगा

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अलकायदा द्वारा भारत में ठिकाना बनाने की कोशिश का भंडाफोड पिछले दिनों राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने किया है। एनआईए ने पश्चिम बंगाल एवं केरल से नौ आंतकियों को गिरफ्तार किया है। देश में छुपे नौ आंतकियों की गिरफ्तार सुरक्षा एजेंसियों सहित देशभर के लिये चिंता का बड़ा कारण है। हालिया घटनाक्रम के आधार पर ये कहा जा सकता है कि हमारे देश में आतंकी मॉड्यूल पूरी तरह सक्रिय है। वो अलग बात है कि सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता और मुस्तैदी के चलते वो अपने नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहा है। घटनाओं और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये कहा जा सकता है कि देश के कई प्रदेशों में आतंकियों का विस्तार हो रहा है। हमारे देश में यमन का आतंकी संगठन अंसारूल्लाह भी दस्तक दे चुका है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि सीरिया और इराक में 10,000 से अधिक इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र ने बताया है कि इस वर्ष इस्लामिक स्टेट के हमलों में काफी वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र की रपट में यह भी आगाह किया गया था कि केरल और कर्नाटक में बड़ी संख्या में अलकायदा-आईएस के आतंकी सक्रिय हैं। यह दावा भी किया गया था कि वे आतंकी हमलों को अंजाम दे सकते हैं।

पश्चिम बंगाल एवं केरल से पकड़े गये आंतकियों के केस की जांच कर रहे अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार संदिग्ध धुर कट्टरपंथी हैं और उन्हें पाकिस्तान स्थित अलकायदा के आतंकवादियों सहित विदेशी आकाओं से इंटरनेट के जरिये निर्देश मिल रहा था। मॉड्यूल भारत में अहम प्रतिष्ठानों पर हमला करने के साथ लक्षित हत्या करने की योजना बना रहा था। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण, दस्तावेज, जिहादी साहित्य, धारदार हथियार, स्वदेशी आग्नेयास्त्र, घरेलू शारीरिक कवच और होममेड एक्सप्लोसिव डिवाइस बरामद किए गए हैं। पकड़े गये आंतकी हमले के लिए स्वचालित राइफल और पिस्तौल, गोलाबारूद और विस्फोटक खरीदने की एडवांस स्टेज में पहुंच चुके थे। ये तथ्य हैरान करने वाले हैं। वहीं ये घटनाक्रम कई सवाल भी खड़े करता है कि आखिरकार ऐसी कौन सी शक्तियां या कारण है जिसके चलते कई प्रदेशों में आतंकी मॉड्यूल विकसित हो रहे हैं। है। गौरतलब है कि विगत कुछ दिनों में भारत से भी इस्लामिक स्टेट के कई आतंकवादियों को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह लोन वुल्फ अटैक करने की योजना बना रहे थे।

आतंकियों की धरपकड़ के बाद तय हो गया कि आतंकवाद कश्मीर घाटी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बंगाल और केरल के अलावा आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान, बिहार, उप्र, मप्र और हरियाणा आदि राज्यों में भी अलकायदा-आईएस के स्लीपर सेल हैं। हमारे देश में यह आतंकवाद का नया चेहरा है। गृह राज्य मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राज्य सभा में इस बाबत जानकारी पिछले दिनों संसद को दी है। एनआईए ने दक्षिणी राज्यों तेलंगाना, केरल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में आतंकी गुट की मौजूदगी के संबंध में 17 मामले दर्ज किए और 122 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें कोई शक नहीं है कि बंगाल में मुर्शिदाबाद के अलावा नदिया और नॉर्थ 24 परगना आदि इलाके भी आतंकवाद के नए गढ़ बन चुके हैं। इस्लामिक स्टेट, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवांत, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया, दाएश, इस्लामिक स्टेट इन खोरासान प्रॉविन्स (आईएसकेपी), आईएसआईएस विलायत खोरासान, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक और शाम-खोरासान को केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून, 1967 के तहत प्रथम अनुसूची में शामिल कर उन्हें आतंकी संगठन घोषित किया है।

सवाल यह भी है कि इन आतंकियों को पैसा, हथियार और गोला-बारूद आदि कौन उपलब्ध करता करा रहा है? क्या इस षडयंत्र में हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान शामिल है? गौरतलब है कि फरवरी, 2012 के बाद दिल्ली में कोई बड़े आतंकी हमले को अंजाम नहीं दिया जा सका है। लेकिन कश्मीर के पुलवामा में फरवरी, 2019 में एक बहुत बड़ा आतंकी हमला किया गया था, जिसमें हमारे 40 जवान 'शहीद' हुए थे। हमने सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट में, आतंकवाद को कुचलने वाले 'ऑपरेशनों' के जरिए, प्रतिशोध लिया था। पकड़े गए आतंकी भी दिहाड़ीदार मजदूर का काम करते थे और कुछ पढ़ाई कर रहे थे। सभी मजदूर बस्तियों में रहते थे। जब उन्हें आतंकी के तौर पर गिरफ्तार किया गया, तो बस्ती वाले भी हैरान हुए होंगे और डरे भी होंगे कि क्या उनके बीच आतंकी रहते आए हैं? इस मानसिकता और आदत का समाधान बहुत मुश्किल है।

भारत में भी आतंकी संगठनों की कमान पाकिस्तान के आतंकियों के हाथ में ही है। यह खुलासा यूएन की एनॉलिटिकल सपोर्ट एंड सैंक्शंस मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट में हुआ है। भारतीय उपमहाद्वीप में सक्रिय अलकायदा तालिबान के अंडर में काम करता है। स संगठन को अफगानिस्तान में बैठे पाकिस्तानी आतंकी ऑपरेट करते हैं। इसका मौजूदा चीफ पाकिस्तानी ओसामा महमूद है। यह आतंकी भी यूएन की ग्लोबल लिस्ट में लिस्टेड नहीं है।इतना ही नहीं रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस संगठन में बांग्लादेश, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान के 150 से 200 आतंकी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान के 12 प्रांतों में अलकायदा अभी एक्टिव है। इसका चीफ भी पाकिस्तानी आतंकी एमन अल-जवाहिरी है। इस संगठन में 400-600 आतंकी हैं। अलकायदा के जिन नौ आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है, उनसे पूछताछ के बाद यह साजिश सामने आई है कि आतंकी राजधानी दिल्ली में प्रतिष्ठित सुरक्षा संस्थानों के अलावा भीड़भाड़ वाले इलाकों में तबाही मचाना चाहते थे। दिल्ली के अलावा एनसीआर का एरिया उनके निशाने पर था। वहीं दक्षिण में केरल में कोच्चि के नौसेना बेस और शिपयार्ड भी आतंकियों के निशाने पर थे। सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार आईएस अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए इंटरनेट आधारित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियां साइबर स्पेस की सतत निगरानी कर रही हैं। एनआईए को शुरुआती जांच में यह भी पता चला है कि आतंकियों को सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित आतंकियों और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कट्टरपंथी बनाकर उनके मन में आतंक के बीज गहरे से बो दिये हैं। सरकार यदि अपने एक्शन प्लान के तहत आईएस के खिलाफ एक जागरूकता अभियान चलाए तो यह काफी कारगर होगा, जगह-जगह सेमिनार हो युवाओं को सूफी परंपरा और वहाबी परंपरा का मर्म बताया जाना चाहिये।

अनुमान है कि भारत से 100-200 लोग आईएस में भर्ती होने के लिये सीरिया, इराक और अफगानिस्तान की ओर गए थे। इनकी वापसी के बाद भारत में इनसे खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस प्रकार के आईएस समर्थक भारत में युवाओं को भर्ती करने तथा स्लीपर सेल की भूमिका निभाने एवं साथ ही आवश्यकता पड़ने पर आतंक फैला सकते हैं। पिछले साल भारत सरकार ने कश्मीर के विशेष राज्य का दर्ज़ा समाप्त कर दिया है, इससे कश्मीर में तनाव की स्थिति बनी हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि आईएस भारत में अपने प्रसार के लिये कश्मीर मुद्दे का दुष्प्रचार कर सकता है।

विचार बिन्दु

राजेश माहेश्वरी

अतिरिक्त भारत में सोशल मीडिया कानून भी कमजोर है, जिससे कोई भी आतंकी संगठन भारत के युवाओं की मनोवृत्ति बदलने, उनको प्रभावित करने तथा उन्हें आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिये तैयार कर सकता भारत से इस्लामिक स्टेट के आतंकियों की गिरफ्तारी चिंता का विषय है क्योंकि आतंकवाद से प्रभावित शीर्ष देशों की सूची में भारत भी शामिल है। पाकिस्तान लगातार आंतकी गतिविधियों को बढ़ावा देने से बाज नहीं आ रहा है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को चैकसी बढ़ानी होगी। वहीं सरकार को इंटरनेट और सोशल मीडिया से जुड़े कानूनों को और सख्त बनाने की जरूरत है।

देवों के आचार्य, देवशिल्पी और शिल्पकला के सृजनहार हैं भगवान विश्वकर्मा

भगवान विश्वकर्मा सिर्फ गृह निर्माता ही नहीं हैं वह अस्त्र-शस्त्रों के निर्माता भी हैं। भगवान विश्वकर्मा जी ने ही ब्रह्मा जी को शक्ति, महादेव शंकर जी को त्रिशूल और विष्णु जी को पजक धनुष और कौमुदी गदा तथा इंद्र देवता को कवच एवं परशुराम को फरसा और धनुष दिया था। कहा जाता है कि देव और दानवों में समय-समय पर युद्ध चलता ही रहता था। कभी देवों का पलड़ा भारी होता था तो कभी राक्षसों का। एक बार हुआ यह कि वृतासुर नामक एक महाबलवान राक्षस था, वह इतना बलवान था कि उस पर इंद्र देवता के वज्र का भी कोई असर नहीं होता था। देवताओं की हार होता देख भगवान विश्वकर्मा ने दधीचि की रीढ़ की हड्डी से सौ आरी वाला सृष्टि का अजेय अस्त्र वज्र बना कर इंद्र देवता को दिया। इस वज्र से इंद्र देवता ने वृतासुर का वध किया।

भगवान विश्वकर्मा ने इसके अलावा देवों के लिए स्वयं चलित विमान भी बनाए साथ ही उन्होंने सुंदर उपवनों, जलाशयों, विहार वाटिका आदि की भी रचना की। उनकी इस रचनात्मकता से प्रसन्न होकर ही इंद्र देवता ने भगवान विश्वकर्मा को देवशिल्पी का सम्मान दिया था। इस प्रकार भगवान विश्वकर्मा देवों और दानवों तथा मानवों के शिल्प शास्त्र के कर्ता-धर्ता और औद्योगिक शिल्पकला के सृजनहार माने जाते हैं।

भगवान विश्वकर्मा देवों के आचार्य तथा आठ प्रकार की सिद्धियों के पिता भी माने जाते हैं। उन्होंने देवों के लिए सुंदर आभूषण और दिव्य विमानों के निर्माण के साथ ही इंद्र, यम और वरूण आदि देवताओं की विशाल सभाओं और पांडवों के लिए इंद्रप्रस्थ का निर्माण किया। स्कन्धपुराण में लिखा है कि ब्रह्मा, विष्णु, शंकर आदि की रचना के बाद ब्रह्म कुल में पैदा हुए भगवान विश्वकर्मा शिल्प विद्या के प्रकाशक तथा देवताओं के आचार्य हैं। उनकी शिल्पकला से ही प्राणी का पालन पोषण होता है। महाभारत युद्ध के दौरान भगवान विश्वकर्मा ने आधुनिक अस्त्र-शस्त्र व अत्याधुनिक रथ की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा ने ही इंद्र के लिए अमरावती और कुबेर के लिए अलकापुरी और पुष्पक विमान की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा ने पृथ्वी पर भी कई नगरों की रचना की है। कहा जाता है कि भगवान विश्वकर्मा ने ही नदियों, तालाबों, झीलों, पर्वतों आदि की रचना कर मानव जीवन को प्रकृति की ओर से अनोखा उपहार दिया।

भगवान विश्वकर्मा ने ही लौहकार्य, काष्ठकार्य, धातुकर्म और मिट्टी कर्म आदि उद्योग लोगों को सिखाए। पुराणों में यह भी जानकारी मिलती है कि भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर ही भगवान विश्वकर्मा ने वृंदावन की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा आठवें वसु प्रभास ऋषि के पुत्र हैं। इनकी मां का नाम योगीसिद्धा है जोकि देवों के गुरु बृहस्पति की बहन हैं। भगवान विश्वकर्मा का विवाह प्रहलाद की पुत्री विरोचना देवी से हुआ था।

इनके पांच पुत्र और पांच पुत्रियां हुईं। इनके पुत्रों का नाम- पुत्रमनु लुहार, मय सुतार, त्वस्टा-कंसारा, शिल्पी-कड़िया और दैवज्ञ-स्वर्णकरा तथा पुत्रियों के नाम- रिद्धि सिद्धि, संज्ञा, उर्जस्वती और पद्मा हैं। इनमें से रिद्धि और सिद्धि का विवाह भगवान गणेशजी के साथ हुआा। संज्ञा का विवाह सूर्यदेव तथा उर्जस्वती का विवाह शुक्र व पद्मा का विवाह मनु महाराज के साथ हुआ। भगवान विश्वकर्मा की पूजा देशभर में की जाती है। कई देशों के शिल्पी भी पूरे विधि विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं ताकि उनका आशीर्वाद बना रहे और उद्योग व उनके कारोबार में वृद्धि होती रहे।

आज का इतिहास

23 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1739	रूस और तुर्की के बीच बेलग्रेड शांति समझौते पर हस्ताक्षर।
1803	ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने असाये के युद्ध में मराठा सेना को हराया।
1857	रूसी युद्धपोत लेफर्ट फिनलैंड की खाड़ी में आये भीषण तूफान में गायब हुआ, 826 लोग मारे गए।
1929	बाल विवाह निरोधक विधेयक (शारदा क़ानून) पारित।
1955	पाकिस्तान ने बगदाद समझौता पर हस्ताक्षर किया।
1958	ब्रिटेन ने क्रिसमस द्वीप पर वायुमंडलीय परमाणु परीक्षण किया।
1965	भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम का आदेश।
1970	अब्दुल रज़ाक बिन हुसैन मलेशिया के प्रधानमंत्री बने।
1979	सोमालिया के संविधान को राष्ट्रपति ने मंजूरी दी।
1986	अमेरिकी कांग्रेस ने गुलाब को अमेरिका का राष्ट्रीय फूल चुना।
1992	यूगोस्लाविया का संयुक्त राष्ट्र संघ से निष्कासन।
1995	ताबा (मिस्त्र) में इस्त्रायल एवं फ़िलिस्तीनी मुक्ति संगठन के मध्य पश्चिमी तट में फ़िलिस्तीनी स्वशासन के संबंध में समझौता।
2000	सिडनी ओलम्पिक में संयुक्त राज्य अमेरिका की धाविका मैरियन जोन्स ने 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता।
2001	ब्रिटिश व तालिबान सेना के बीच गोलाबारी, संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत व पाकिस्तान पर से प्रतिबंध हटाये।

स्वच्छता से ही स्वस्थ एवं सशक्त भारत संभव

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

हर अभिवावक को तार्किक रूप से स्वच्छता के उद्देश्य, फायदे और जरूरत आदि के बारे में अपने बच्चों से बात करनी चाहिये। उन्हें जरूर बताना चाहिये।

हर साल 24 सितंबर को विश्व सफाई दिवस होता है, इस दिवस का उद्देश्य सफाई कार्यों में भाग लेने के लिए समाज के सभी क्षेत्रों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करके कुप्रबंधित अपशिष्ट संकट के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। व्यक्तियों, सरकारों, निगमों और संगठनों को सफाई में भाग लेने और कुप्रबंधित कचरे से निपटने के लिए समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अस्वच्छता एवं गंदगी दुनिया की बड़ी समस्या है। घर या अपने आसपास संक्रमण फैलने से बचाने और गंदगी के पूर्ण निपटान के लिये हमें ध्यान रखना चाहिये कि कूड़ा केवल कूड़ेदान में ही डालें। साफ-सफाई केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि ये घर, समाज, समुदाय, देश एवं दुनिया के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हमें इसके महत्व और फायदों को समझना चाहिये। हमें संकल्प लेना चाहिये कि न तो हम खुद गंदगी फैलाएंगे और न किसी को फैलाने देंगे। अनेक बीमारियों पर नियंत्रण के लिये साफ-सफाई एवं स्वच्छता जरूरी है, कोरोना महामारी के दौरान हमने स्वच्छता का महत्व गहराई से समझा। सफाई के विषय में एक कहावत बहुत मशहूर है, कि प्रत्येक व्यक्ति अपना-अपना आँगन साफ करें तो पूरी दुनिया स्वच्छ हो जाए।

सीधी सच्ची बात है कि सफाई सभ्यता का अंग है। जब तक हमारे घर, द्वार और रास्ते गंदे रहेंगे, हमारी आदते गन्दी रहेंगी तब तक हम अपने आपको सभ्य और सुसंस्कृत नहीं कह सकते। गाँव की गलियाँ गन्दी है, सड़कों के किनारे गन्दे हैं, इतना ही नहीं, आज जीवन के हर क्षेत्र में गन्दगी प्रवेश कर गई है। दूषित मनोवृत्ति और दूषित वातावरण के रहते, भले ही लोगों का धर्म और दर्शन कितना ही गौरवपूर्ण एवं प्राचीन क्यों न हो, उन्हें कोई सम्मान नहीं दे सकता। श्रेष्ठता और संस्कृति का पहला गुण स्वच्छता है। हम साफ और स्वच्छ रहकर ही अपने आदर्शों एवं सिद्धान्तों की रक्षा कर सकते हैं। सफाई प्रकृति का एक मौलिक गुण है। स्वच्छता और पवित्रता धर्म का प्रमुख अंग माना जाता है तो उसका सही-सही ज्ञान भी होना आवश्यक है। शिक्षा और संस्कृति के साथ सफाई का स्वास्थ्य से भी अटूट सम्बन्ध है। महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। उन्होंने ‟स्वच्छ भारत” का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। ‟स्वतंत्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वच्छता” गांधी के उक्त कथन से यह ध्वनित होता है कि वह जीवन में स्वच्छता के कितने बड़े हिमायती थे। सबसे बड़ी बात यह है कि वह सिर्फ बाहरी स्वच्छता यानी घर, पास-पड़ोस आदि के ही पक्षधर नहीं थे, बल्कि मन की स्वच्छता के भी प्रबल पक्षधर थे। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया और इसके सफल कार्यान्वयन हेतु भारत के सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने सशक्त भारत-नया भारत के लिये स्वच्छता को प्राथमिक आवश्यकता बताई। इस अभियान के तहत सरकार ने शहर एवं ग्रामीण दोनो क्षेत्रों मे स्वच्छता को बढ़ावा दिया है और पूरे भारत को खुले मे शौच मुक्त करने का प्रण लिया है। अब तक 98 प्रतिशत भारत को खुले में शौचमुक्त बनाया जा चुका है। इसी प्रकार कई अन्य अभियान हैं जैसे निर्मल भारत, बाल स्वच्छता अभियान आदि। सबका उद्देश्य भारत में स्वच्छता को बढ़ावा देना है।

स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिये बहुत जरूरी है। हमें अपने घर, पालतू जानवर, अपने आस-पास, पर्यावरण, तालाब, नदी, स्कूल आदि सहित सबकी सफाई करते रहना चाहिए। हमें सदैव साफ, स्वच्छ और अच्छे से कपड़े पहनना चाहिये। ये समाज में अच्छे व्यक्तित्व और प्रभाव को बनाने में मदद करता है, क्योंकि ये आपके अच्छे चरित्र को दिखाता है। धरती पर हमेशा के लिये जीवन को संभव बनाने के लिये अपने शरीर की सफाई के साथ पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों-भूमि, पानी, खाद्य पदार्थ, वायु आदि को भी साफ बनाए रखना चाहिये। स्वच्छता हमें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक हर तरीके से स्वस्थ बनाता है। सामान्यतः, हमने हमेशा अपने घर में ये ध्यान दिया होगा कि हमारी दादी और माँ पूजा से पहले स्वच्छता को लेकर बहुत सख्त होती हैं, तब हमें यह व्यवहार कुछ अलग नहीं लगता, क्योंकि वो बस साफ-सफाई को हमारी आदत बनाना चाहती हैं।

धूंए-धूंए में जिंदगी

हैल्थ संवाददाता

तंबाकू और धूम्रपान की लत ने कब हमारे जीवन में जगह बना ली, पता तक नहीं चल पाता। कभी दूसरे को देखकर, तो कभी बुरी संगत में आकर लोग सिगरेट, गुटखा, तंबाकू व दूसरी नशीली चीजों को साथी बना लेते हैं। इन्हें लेने वालों को लगता है कि इन चीजों ने उनकी जिंदगी आसान बना दी है। कई बार कम उम्र में ही खुद को बड़ों जैसा महसूस करने की ख्वाहिश में धुएं के छल्ले उड़ाने की ललक भी इस दलदल में धकेल देती है। जब इससे परेशानी होने लगती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हर कश स्वस्थ जीवन पर जुल्म ढाता है। हर पुड़िया में जिंदगी घुल रही है। तंबाकू की हर चुटकी जिंदगी को चाट रही है। इस मौके पर क्यों न ठान लें कि तंबाकू और धूम्रपान की इस लत से छुटकारा पाना ही है।

नुकसानदायक केमिकल

तंबाकू में चार हजार से ज्यादा नुकसानदायक केमिकल पाए जाते हैं। सिगरेट में 40 ऐसे रसायन हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं।

निकोटिन: यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिऐक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।

बेंजीन: इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट के जले रहने में मदद करता है। इसकी वजह से ल्यूकेमिया हो सकता है।

फॉर्मल्डिहाइड: काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इसकी वजह से कैंसर होने का खतरा रहता है।

अमोनिया: टॉयलेट क्लीनर और ड्रायक्लिनिंग लिक्विड में इस्तेमाल किया जाता है। यह तंबाकू से निकोटिन को अलग कर गैस में बदल देता है।

एसिटोन: इसका इस्तेमाल नेल पॉलिश हटाने में होता है। इसमें ज्वलनशील गुण होता है जो फेफड़ों को काफी नुकसान पहुंचाता है।

टार: स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़े में जमा होता है। स्मोकिंग के दौरान जितनी टार बनती है, उसका 70 फीसदी फेफड़ों में जमा होता है। आर्सेनिक (चूहे मारने का जहर), हाइड्रोजन साइनाइड जैसे काफी जहरीले रसायन भी होते हैं।

पनपता खतरा

एक सिगरेट में 9 मिग्रा निकोटीन होता है, जो जलकर 1 ग्राम रह जाता है। निकोटीन सीधा शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता लेकिन यह सैकड़ों केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है और बाद में उन्हें खत्म करने लगता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए एक ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2 मिलीग्राम तक होता है। तंबाकू में कई तरह के कार्सिनोजिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के कारण बनते हैं। धूम्रपान से लंग, मुंह, गला, कंठ, श्वासनली का कैंसर होने के चांस बढ़ जाते हैं। तंबाकू, खैनी, पान मसाला, गुटखा आदि के सेवन से भी इन अंगों के कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि कितने दिनों तक इसके इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है, इस बारे में साफतौर पर नहीं कहा जा सकता। जब कोई स्मोकिंग करता है तो गाल की अंदरूनी परत पर और फेफड़े में निकोटीन अवशोषित हो जाता है। इसकी लत कोकेन या हेरोइन की लत से कम नहीं होती। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ड्रग ऐब्यूज के अनुसार कैंसर के जितने मामले होते हैं, उसके एक तिहाई स्मोकिंग करने वालों से जुड़े होते हैं।स्मोकिंग करने से फेफड़े की बीमारियां होती हैं और दिल की बीमारियां होने की आशंका बढ़ जाती है।धूम्रपान न करने वालों के मुकाबले इसे करने वालों की उम्र सामान्य से 14 साल कम हो जाती है।

कैसे बनते हैं चेन स्मोकर

जब कोई सिगरेट या बीड़ी पीता है तो ब्रेन में लगभग 10 सेकंड और उसके बाद सेंट्रल नर्वस सिस्टम में 5 मिनट तक निकोटिन का असर रहता है। हालांकि स्मोकिंग करने से थोड़ी देर के लिए काम करने की क्षमता बढ़ती है, लेकिन बाद में शरीर सुस्त होने लगता है। धीरे-धीरे काम करने की क्षमता कम होती जाती है और फिर धूम्रपान की जरूरत महसूस होती है। बार-बार इस तलब को मिटाने की कोशिश में इंसान चेन स्मोकर हो जाता है।

हर्बल सिगरेट

धूम्रपान छोड़ने के लिए हर्बल सिगरेट की भी मदद ली जा सकती है। आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाली कंपनियां हर्बल सिगरेट बना रही हैं। इनमें पुदीना, वाइल्ड लेटिस (सलाद पत्ता), कैट्रिनप (एक प्रकार की सुगंधित वनस्पति), कमल के पत्ते, मकई के रेशे, मुलेठी की जड़ें आदि के सूखे चूर्ण का इस्तेमाल होता है।

निकोटिन की लत के लक्षण

अगर नीचे दिए गए लक्षण नजर आने लगें तो समझ लेना चाहिए कि इंसान को निकोटिन की लत लग चुकी है। भूख कम महसूस होना। अधिक लार और कफ बनना। प्रति मिनट दिल की धड़कन 10 से 20 बार बढ़ जाती है तो यह लत का लक्षण है। छोटी बात पर भी बेचैनी महसूस होना। ज्यादा पसीना आना और उल्टी-दस्त होना। हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना। निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना। चिंता बढ़ना, अवसाद, निराशा आदि महसूस होना। सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगे तो भी इसे निकोटिन की लत का लक्षण माना जाता है।

सिगरेट छुड़ाने के वैकल्पिक तरीके

ई-सिगरेट के मामलों से जुड़े विशेषज्ञ अंकित गौड़ का कहना है कि इससे शत-प्रतिशत निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच जाने का दावा तो नहीं किया जा सकता, लेकिन सिगरेट छोड़ने में इससे मदद जरूर मिलती है। इसमें कार्टेज में अलग-अलग स्तर में निकोटिन डाला जाता है। एक अध्ययन से पता चलता है कि जब कोई सिगरेट की 15 कश लेता है तो उसके अंदर 1 से 2 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है, जबकि ई-सिगरेट में 16 मिलीग्राम निकोटिन वाले कार्टेज का इस्तेमाल करने से इतनी ही कश लेने पर 0.15 मिलीग्राम निकोटिन जमा होता है। स्वास्थ के लिहाज से यह तरीका भी सही नहीं है क्योंकि इसके जरिए भी निकोटिन तो शरीर में जाता ही है। इसकी मदद से निकोटिन के स्तर को कम किया जा सकता है और धीरे-धीरे कोई स्मोकर निकोटिन के जीरो लेवल तक पहुंच सकता है। पान की दुकानों पर, दवा की दुकानों पर और इंटरनेट के जरिए इसे खरीदा जा सकता है। पूरी किट 1 से 2 हजार तक मिल जाती है। इससे इतनी कीमत में लगभग 500 सिगरेट पी जा सकती हैं।

मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास: किसी प्रकार की लत होने से व्यक्ति का आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। सिगरेट, तंबाकू, गुटखा, पान मसाला जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले भी अगर मुद्रा, ध्यान और योगाभ्यास करते हैं तो उनका आत्मबल बढ़ता है। ऐसे में इन लतों को त्याग पाने की इच्छा शक्ति उनके अंदर पैदा होती है।

सेहत को धुएं में उड़ाती ई-सिगरेट

यूं तो ई-सिगरेट का इस्तेमाल सिगरेट छोड़ने वाले लोग एक माध्यम के तौर पर करते हैं, लेकिन भारत में बिना किसी नियम-कानून के चलते, दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहा यह बाजार अब पूरी तरह से बेलगाम हो गया है। आलम यह है कि अभी तक सिगरेट छुड़ाने के लिए इलाज के एक माध्यम के रूप में बाजार में मिलने वाली यह ई-सिगरेट, नए तरह का नशा बनकर उभर रही है। डॉक्टरों के अनुसार बाजार में मिलने वाली ई-सिगरेट्स में कई ब्रैंड ऐसे हैं, जिनमें सामान्य सिगरेट से भी कहीं ज्यादा मात्रा में निकोटीन है।

सिगरेट की तरह ही खतरनाक है ई-सिगरेट

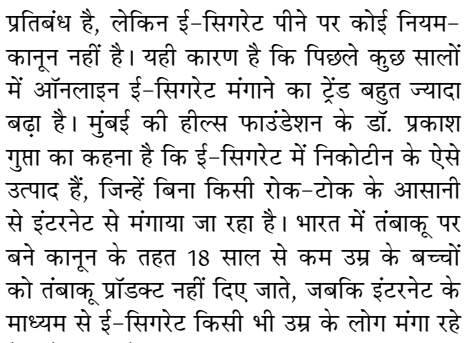

इस साल अक्टूबर में मॉस्को में हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के तंबाकू नियंत्रण सेमिनार में ई-सिगरेट को सामान्य सिगरेट के जैसे ही खतरनाक और नुकसानदायक माना। वहीं सितंबर में दिल्ली में दक्षिण-एशियाई देशों की बैठक में भी इसे नुकसानदायक करार दिया गया है। यही कारण है कि भारत में ई-सिगरेट पर कड़े नियम बनाने की मांग बढ़ गई है।

नियम ही नहीं हैं, तो क्या करें

भारत में सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने पर प्रतिबंध है, लेकिन ई-सिगरेट पीने पर कोई नियम-कानून नहीं है। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों में ऑनलाइन ई-सिगरेट मंगाने का ट्रेंड बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुंबई की हील्स फाउंडेशन के डॉ. प्रकाश गुप्ता का कहना है कि ई-सिगरेट में निकोटीन के ऐसे उत्पाद हैं, जिन्हें बिना किसी रोक-टोक के आसानी से इंटरनेट से मंगाया जा रहा है। भारत में तंबाकू पर बने कानून के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू प्रॉडक्ट नहीं दिए जाते, जबकि इंटरनेट के माध्यम से ई-सिगरेट किसी भी उम्र के लोग मंगा रहे हैं। गौरतलब है कि ई-सिगरेट बनाने वाली कंपनियां इसे सामान्य सिगरेट से कम हानिकारक के तौर पर प्रचारित कर रही हैं, लेकिन डॉक्टरों की राय इससे जुदा है। टाटा अस्पताल के हेड ऐंड नेक सर्जन, डॉ. पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि किसी भी रिसर्च के माध्यम से यह साबित नहीं हुआ है कि ई-सिगरेट, सिगरेट के डी-अडिक्शन के लिए किसी भी तरह से कारगर साबित हुई है बल्कि, यह उतनी ही नुकसानदायक है जितनी सामान्य सिगरेट। कई ब्रैंड के ई-सिगरेट में 36 मिलीग्राम तक निकोटीन की मात्रा होती है, जो उसे सामान्य सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक बनाती है।

क्या है ई-सिगरेट

ई-सिगरेट बैटरी से चलने वाले ऐसा उपकरण है, जो निकोटीन को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाता है। ई-सिगरेट, देखने में बिलकुल सामान्य सिगरेट या सिगार जैसी प्लास्टिक या मेटल से बनी होती है। बाजार में ई-सिगरेट के 7764 से भी ज्यादा फ्लेवर उपलब्ध हैं। यह सही है कि भारत में अभी तक ई-सिगरेट को लेकर कोई नियम नहीं है, लेकिन सरकार जल्द ही इस पर नियम लाने की तैयारी में है।

क्या है स्वाइन फ्लू

स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जो ए टाइप के इनफ्लुएंजा वायरस से होती है। यह वायरस एच1 एन1 के नाम से जाना जाता है और मौसमी फ्लू में भी यह वायरस सक्रिय होता है। 2009 में जो स्वाइन फ्लू हुआ था, उसके मुकाबले इस बार का स्वाइन फ्लू कम पावरफुल है, हालांकि उसके वायरस ने इस बार स्ट्रेन बदल लिया है यानी पिछली बार के वायरस से इस बार का वायरस अलग है।

कैसे फैलता है

जब आप खांसते या छींकते हैं तो हवा में या जमीन पर या जिस भी सतह पर थूक या मुंह और नाक से निकले द्रव कण गिरते हैं, वह वायरस की चपेट में आ जाता है। यह कण हवा के द्वारा या किसी के छूने से दूसरे व्यक्ति के शरीर में मुंह या नाक के जरिए प्रवेश कर जाते हैं। मसलन, दरवाजे, फोन, कीबोर्ड या रिमोट कंट्रोल के जरिए भी यह वायरस फैल सकते हैं, अगर इन चीजों का इस्तेमाल किसी संक्रमित व्यक्ति ने किया हो।

शुरुआती लक्षण

- नाक का लगातार बहना, छींक आना, नाक जाम होना।
- मांसपेशियां में दर्द या अकड़न महसूस करना।
- सिर में भयानक दर्द।
- कफ और कोल्ड, लगातार खांसी आना।
- उनींदे रहना, बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।
- बुखार होना, दवा खाने के बाद भी बुखार का लगातार बढ़ना।
- गले में खराश होना और इसका लगातार बढ़ते जाना।

नॉर्मल फ्लू से कैसे अलग

सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के वायरस में एक फर्क होता है। स्वाइन फ्लू के वायरस में चिड़ियों, सूअरों और इंसानों में पाया जाने वाला जेनेटिक मटीरियल भी होता है। सामान्य फ्लू और स्वाइन फ्लू के लक्षण एक जैसे ही होते हैं, लेकिन स्वाइन फ्लू में यह देखा जाता है कि जुकाम बहुत तेज होता है। नाक ज्यादा बहती है। पीसीआर टेस्ट के माध्यम से ही यह पता चलता है कि किसी को स्वाइन फ्लू है। स्वाइन फ्लू होने के पहले 48 घंटों के भीतर इलाज शुरू हो जाना चाहिए। पांच दिन का इलाज होता है, जिसमें मरीज को टेमीफ्लू दी जाती है।

स्वाइन फ्लू से बचाव और इसका इलाज

- साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए और फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही सावधानी बरती जाए, तो इस बीमारी के फैलने के चांस न के बराबर हो जाते हैं।
- जब भी खांसी या छींक आए रूमाल या टिश्यू पेपर यूज करें।
- इस्तेमाल किए मास्क या टिश्यू पेपर को ढक्कन वाले डस्टबिन में फेंकें।
- थोड़ी-थोड़ी देर में हाथ को साबुन और पानी से धोते रहें।
- लोगों से मिलने पर हाथ मिलाने, गले लगने या चूमने से बचें।
- फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

कब तक रहता है वायरस

एच1एन1 वायरस स्टील, प्लास्टिक में 24 से 48 घंटे, कपड़े और पेपर में 8 से 12 घंटे, टिश्यू पेपर में 15 मिनट और हाथों में 30 मिनट तक एक्टिव रहते हैं। इन्हें खत्म करने के लिए डिटर्जेंट, एल्कॉहॉल, ब्लीच या साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी भी मरीज में बीमारी के लक्षण इन्फेक्शन के बाद 1 से 7 दिन में डिवेलप हो सकते हैं। लक्षण दिखने के 24 घंटे पहले और 8 दिन बाद तक किसी और में वायरस के ट्रांसमिशन का खतरा रहता है।

Swine flu alert!

स्वाइन फ्लू एक बार फिर देश में पांव पसार रहा है, जिससे मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। दिन-प्रतिदिन स्वाईन फ्लू के नए-नए मामले सामने आते जा रहे है। फ्लू से डरने के बजाय जरूरत इसके लक्षणों के बारे में जानने और सावधानी बरतने की है।

यह रहें सावधान

5 साल से कम उम्र के बच्चे, 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं। जिन लोगों को निम्न में से कोई बीमारी है, उन्हें अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए = फेफड़ों, किडनी या दिल की बीमारी मस्तिष्क संबंधी (न्यूरोलॉजिकल) बीमारी मसलन, पर्किंसन कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग डायबीटीजं ऐसे लोग जिन्हें पिछले 3 साल में कभी भी अस्थमा की शिकायत रही हो या अभी भी हो। ऐसे लोगों को फ्लू के शुरुआती लक्षण दिखते ही डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं का प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) शरीर में होने वाले हॉरमोन संबंधी बदलावों के कारण कमजोर होता है। खासतौर पर गर्भावस्था के तीसरे चरण यानी 27वें से 40वें सप्ताह के बीच उन्हें ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंता की बात

इस बीमारी से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है दिमाग से डर को निकालना। ज्यादातर मामलों में वायरस के लक्षण कमजोर ही दिखते हैं। जिन लोगों को स्वाइन फ्लू हो भी जाता है, वे इलाज के जरिए सात दिन में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों को तो अस्पताल में एडमिट भी नहीं होना पड़ता और घर पर ही सामान्य बुखार की दवा और आराम से ठीक हो जाते हैं। कई बार तो यह ठीक भी हो जाता है और मरीज को पता भी नहीं चलता कि उसे स्वाइन फ्लू था। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि जिन लोगों का स्वाइन फ्लू टेस्ट पॉजिटिव आता है, उनमें से इलाज के दौरान मरने वालों की संफ्या केवल 0.4 फीसदी ही है। यानी एक हजार लोगों में चार लोग। इनमें भी ज्यादातर केस ऐसे होते हैं, जिनमें पेशंट पहले से ही हार्ट या किसी दूसरी बीमारी की गिरफ्त में होते हैं या फिर उन्हें बहुत देर से इलाज के लिए लाया गया होता है।

आयुर्वेद

ऐसे करें बचाव

इनमें से एक समय में एक ही उपाय आजमाएं। 4-5 तुलसी के पत्ते, 5 ग्राम अदरक, चुटकी भर काली मिर्च पाउडर और इतनी ही हल्दी को एक कप पानी या चाय में उबालकर दिन में दो-तीन बार पिएं। गिलोय (अमृता) बेल की डंडी को पानी में उबाल या छानकर पिएं। गिलोय सत्व दो रत्ती यानी चौथाई ग्राम पौना गिलास पानी के साथ लें। 5-6 पत्ते तुलसी और काली मिर्च के 2-3 दाने पीसकर चाय में डालकर दिन में दो-तीन बार पिएं।- आधा चम्मच हल्दी पौना गिलास दूध में उबालकर पिएं। आधा चम्मच हल्दी गरम पानी या शहद में मिलाकर भी लिया जा सकता है।

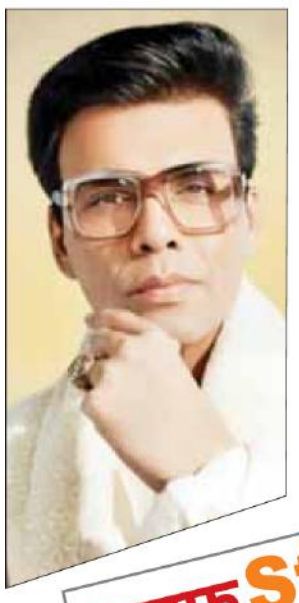

पहली वेब सीरीज, नेटफ्लिक्स पर होगा 'हीरामंडी' जैसा धमाका...

मुंबई। निर्देशक संजय लीला भंसाली ने इस साल ओटीटी पर अपनी शुरुआत की और पहली ही वेब सीरीज 'हीरामंडी' से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। अब करण जौहर भी भंसाली की राह पर चलते हुए ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। वह भी अपने करियर की पहली वेब सीरीज दर्शकों के बीच लेकर आ रहे हैं और उनकी यह सीरीज काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है। इसे भारी-भरकम बजट में बनाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर भी नेटफ्लिक्स के लिए ही एक सीरीज का निर्माण और निर्देशन करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, करण जिस विषय पर सीरीज बना रहे हैं, यह उनके दिल के बेहद करीब है। इसमें हिंदी सिनेमा की कई बेहतरीन अभिनेत्रियां अभिनय करने वाली हैं।

लाइफ Style

तापसी

हाथ लगी फिल्म 'तिरंगा'

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री तापसी पन्नू को पिछली बार फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में देखा गया था। उनकी इस फिल्म और इसमें उनके अभिनय की खासी तारीफ हुई थी। तापसी की कई फिल्में आने वाली हैं। खबर है कि तापसी अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'तिरंगा' से जुड़ गई हैं।

फिल्म के निर्माता ने खुद यह खुलासा किया है। तिरंगा नाना पाटेकर की फिल्म का रीमेक है। एक इंटरव्यू में फिल्म के निर्माता नरेंद्र हीरावत ने कहा, इस फिल्म में 2 अभिनेत्रियां होंगी, जिनमें से एक के लिए तापसी के नाम पर मोहर लग चुकी है। हमें दूसरी हीरोइन कास्ट करनी है। अक्षय इस साल के अंत में फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। हम अगले साल 15 अगस्त के मौके पर फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म 'तिरंगा' के निर्देशन की कमान संजय पूरन सिंह चौहान ने संभाली है, वहीं अश्विन वर्दे, सुभाष काले और नरेंद्र हीरावत साथ मिलकर इसे बना रहे हैं। तापसी और अक्षय पहले 4 फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। दोनों इससे पहले फिल्म 'बेबी', 'नाम शबाना' में साथ नजर आए थे। 2019 में आई तापसी और अक्षय की फिल्म 'मिशन मंगल' भी सफल रही। पिछली बार दोनों फिल्म 'खेल खेल में' दिखे थे, जो फ्लॉप साबित हुई। अक्षय जल्द फिल्म 'स्काई फोर्स' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। उनकी पहली तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' भी चर्चा में है। अक्षय 'वेलकम टू द जंगल', 'हेरा फेरी 3' और 'सिंघम अगेन' जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगे।

हॉलीवुड मसाला

'स्क्विड गेम-2' का नया टीजर जारी

लॉस एंजिलस। कोरियन थ्रिलर वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' की अपार सफलता के बाद इसके दूसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है। अब 'स्क्विड गेम 2' का नया टीजर सामने आ गया है, जिसमें निर्माताओं ने दर्शकों को अभिनेता ली जंग-जेई के किरादार से रूबरू कराया है। टीजर में आगामी खेलों की एक झलक भी दिखाई गई है। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'खेल कभी बंद नहीं होता। क्या आप खेलने के लिए तैयार हैं? 'स्क्विड गेम पैसे की तंगी से जूझ रहे व्यक्तियों की कहानी है, जो बच्चों के खेल में बड़ी रकम जीतने के मौके के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

'सिटाडेल सीजन-2' में प्रियंका चोपड़ा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 में काम करती नजर आएंगी। सिटाडेल 2 जोश एपेलबाम, ब्रायन ओह और डेविड वील द्वारा निर्मित एक रोमांचक जासूसी सीरीज है, जिसमें रुसो बंधु कार्यकारी निर्माता के रूप में काम कर रहे हैं। इस वीडियो टूर की शुरुआत प्रियंका के क्लोज-अप शॉट में मिरर सेल्फी से होती है। प्रियंका चोपड़ा अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन से जुड़ी झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। प्रियंका ने सिटाडेल 2 के सेट से एक बीटीएस वीडियो अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर साझा किया है।

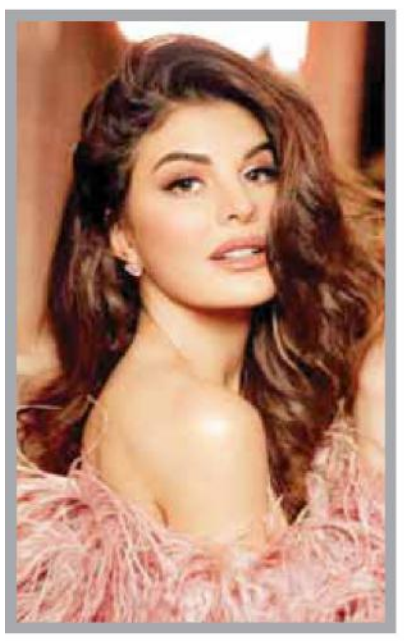

संगीत की दुनिया में उतरीं जैकलीन

मुंबई। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने संगीत की दुनिया में कदम रख दिया है। उनका पहला गाना 'स्टॉर्मराइडर' रिलीज हो गया है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। इस गाने के जरिए उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के सफर को प्रदर्शित किया है। जैकलीन ने 'स्टॉर्मराइडर' के जरिए गायक के रूप में संगीत की दुनिया में कदम रखा है। जैकलीन का यह गाना अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस गाने को अमृता सेन और रॉबिन ग्रुबर्ट ने लिखा है। जैकलीन जल्द ही सोनू सूद के साथ फिल्म 'फतेह' में नजर आएंगी। फिल्म का टीजर पहले ही सामने आ गया है। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए सोनू निर्देशन में उतर रहे हैं। नसीरुद्दीन शाह भी इसका हिस्सा हैं। जैकलीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

'द फैमिली मैन-3' में शामिल हुए जयदीप

मुंबई। मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' और 'द फैमिली मैन 2' को काफी पसंद किया गया था। ताजा खबर यह है कि 'द फैमिली मैन 3' की स्टार कास्ट में बॉलीवुड अभिनेता जयदीप अहलावत शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। इसका निर्देशन राज और डीके ने किया है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। 'द फैमिली मैन 3' में मनोज की जोड़ी प्रियामणि के साथ बनी है। शारिब हाशमी, नीरज माधव, सामंथा रुथ प्रभु, शरद केलकर और पवन चोपड़ा भी इस सीरीज का हिस्सा हैं। बॉलीवुड रिपोर्ट के अनुसार निर्माताओं ने उनके किरदार को गुप्त रखा है। तीसरे सीजन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

टीवी मसाला

'आज सबसे बड़ी समस्या...', 46 साल की एक्ट्रेस का छलका दर्द

नई दिल्ली। 'बालिका वधु' में आनंदी की सास का किरदार निभाकर स्मिता बंसल ने टीवी इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई थी। स्मिता ने अपने अभिनय से सबको इम्प्रेस किया है। उन्होंने साल 1998 में टीवी की दुनिया में कदम रखा था. लेकिन सुमित्रा बनकर वह लोगों के दिलों पर राज करने लगी थीं। अपने अब तक के करियर में स्मिता बंसल ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया है। अभिनेता अमन गांधी के साथ 'सेट पे चर्चा' नामक पॉडकास्ट में स्मिता ने इंडस्ट्री में काम मांगने के बारे में बात की. अमन ने उनसे पूछा, "क्या 26 साल में ऐसा कोई टाइम आया था, जब काम नहीं था? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन उनका ये भी मानना है कि इंडस्ट्री में काम मांगना कोई बुराई नहीं है। बता दें कि स्मिता ने अपने करियर में 'चैलेंज', 'तुलसी', 'इतिहास', 'अमानत', 'कोरा कागज', 'आशीर्वाद' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए जाना जाता है।

अपनी पसंद से निभाया हर किरदार

स्मिता से जब पूछा गया कि क्या इंडस्ट्री में उन्होंने ऐसा समय देखा जब उन्हें किसी से काम मांगना पड़ा हो,, 'मुझे नहीं लगता कि काम मांगने में कोई बुराई है। बहुत सारे एक्टर रोजाना यहां आते हैं, इसलिए जरूरी नहीं कि प्रोड्यूसर को याद रहे कि आप मौजूद हैं। मैंने अपनी पसंद के हिसाब से ब्रेक लिए हैं। बीच में एक समय ऐसा भी था, जब मैं काम करना चाहती थी और मेरे पास कोई काम नहीं था। मुझे लगता है कि वह 'बालिका वधू' के बाद था।

7 साल निभाया था सुमित्रा का किरदार

'बालिका वधू' में स्मिता ने सुमित्रा की भूमिका निभाई थी। अपनी बात आगे रखते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि, 'सात साल सिर्फ मैंने बालिका वधू में काम किया, तो मैं बाकी किसी प्रोड्यूसर की लिस्ट में नहीं थी। सात साल तक मैं सबसे कटी रही और फिर जब मुझे कुछ करना था, तो मैंने लोगों को मैसेज किया। इसके बाद उनसे पूछा कि कितना मुश्किल था तब शो क्रैक करना और कितना मुश्किल है आज शो क्रैक करना? स्मिता ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'कठिनाई का स्तर की होती है. लेकिन अब लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो गई है, और इसलिए कॉम्पिटिशन भी बढ़ गया है। अगर आप काम के लिए मना कर देते हो तो वो काम करने वाले कई लोग कतार में खड़े हैं। दूसरी सबसे बड़ी समस्या सोशल मीडिया है।

अनुभव सिन्हा की 'तुम बिन' 23 साल बाद सिनेमाघरों में फिर हुई रिलीज...

मुंबई। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म 'तुम बिन' बॉलीवुड की यादगार फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 13 जुलाई, 2001 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। इस फिल्म में प्रियांशु चटर्जी, संदली सिन्हा, हिमांशु मलिक, राकेश बापट और अमृता प्रकाश जैसे सितारे नजर आए थे।

लगभग 23 साल बाद 'तुम बिन' एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 'तुम बिन' 20 सितंबर, 2024 को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। टी-सीरीज ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें अनुभव फिल्म के बारे में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'क्योंकि कुछ प्रेम कहानियां दोबारा अनुभव करने लायक होती हैं।' भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर भी उपलब्ध है।

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) के 24वें संस्करण में प्रस्तुति देंगी। नोरा फतेही ने कहा कि वह आइफा वीकेंड में प्रस्तुति देने के लिए बेहद उत्साहित हैं। आइफा के दौरान भारतीय सिनेमा का जश्न, दर्शकों की भारी भीड़, एक से बढ़कर एक प्रस्तुति, इसे वास्तव में अविस्मरणीय बनाता है। नोरा फतेही ने कहा कि मैं अबूधाबी के शानदार यास द्वीप पर (आइफा) मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और प्रशंसकों और साथी कलाकारों के साथ इस असाधारण क्षण को साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती आइफा में प्रदर्शन करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

एक मां कैसे अपने बेटे को सही रास्ते पर लेकर आती है

मां पर बनीं शानदार फिल्में, रील और रीयल में फर्क करना ही मुश्किल

जब भी हमारी जिंदगी में कुछ होता है, अच्छा या बुरा, हमें सबसे पहले हमारी मां की याद आती है। कोई भी हमें अपनी मां से ज्यादा खास महसूस नहीं करा सकता है। हमारी उम्र चाहे जो भी हो हमें हमेशा हमारी मां की जरूरत होती है। मां शब्द सुनते से ही हमारे मन में एक अलग सा एहसास आने लगता है। वैसे तो माँ का दिन हर रोज होता है लेकिन हर साल मई महीने के दूसरे संडे को विश्व ने मदर डे मनाया जाता है। हमने अक्सर बड़े पर्दे पर मां के किरदार को निभाने वाली अभिनेत्रियों को तो देखा ही होगा। कई बार किरदार इस तरीके से निभाए जाते हैं कि रील और रीयल में फर्क करना ही मुश्किल हो जाता है। वहीं बॉलीवुड की बात करें तो मां के रोल को कई बार अभिनेत्रियों ने इस तरीके से निभाया है कि ये हमेशा के लिए अमर हो गए।

नरगिस की मदर इंडिया

फिल्म में अभिनेत्री नर्गिस ने जो किरदार अदा किया, उसकी जितनी तारीफ की जाए कम ही है। अपने बच्चों का पेट भरने के लिए एक मां क्या-क्या नहीं करती, इस फिल्म में बखूबी दिखाया गया है। नर्गिस ने फिल्म में राधा का किरदार निभाया था।

राखी की करन-अर्जुन

साल 1995 में आई फिल्म करन-अर्जुन भला किसे याद नहीं होगी। बॉलीवुड के दो खान सलमान और शाहरुख की ये फिल्म रिलीज होते ही धमाल मचाने लगी थी। इस फिल्म में अभिनेता के अलावा जो किरदार चर्चा में रहा था, वो था मां का। जिसे राखी ने निभाया था। फिल्म में मां का जो अटूट विश्वास दिखाया गया है, वो भावुक कर देने वाला है।

श्री देवी की मॉम

फिल्म मॉम में देवकी समरवाल का रोल निभाने वाली श्रीदेवी की एक्टिंग से कहा नहीं जा सकता कि ये फिल्म है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक मां अपनी रेप पीड़ित बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए सारी हदें पार कर जाती हैं। फिल्म में एक्ट्रेस का किरदार लोगों के लिए मिसाल बन गया।

रवीना टंडन की मातृ

फिल्म मातृ माँ की शक्ति पर आधारित है। इस फिल्म में रवीना टंडन माँ के किरदार में नजर आती है। फिल्म में बेटी का रेप हो जाता है जिसके बाद बेटी की मौत हो जाती है पर उस बेटी की माँ ना ही हार मानती है और ना ही टूटती है। बस हर कदम पर सिस्टम से लड़ती है और अपनी बेटी के गुनहगारों को सजा दिलवाती है।

रीमा लागू की हम साथ-साथ हैं

फिल्म हम साथ-साथ हैं फिल्म में रीमा लागू ने ममता का किरदार निभाया था। फिल्म की थीम लाइन संस्कार पर आधारित है और जिस तरह से मां पूरे परिवार को एकजुट करके रखती है। वो बेहद शानदार है। इसमें एक मां अपने बच्चों को खूब संस्कार सिखाती है।

निरुपा राय की दीवार

फिल्म में निरूपा रॉय ने एक मां के किरदार में जो ऐक्टिंग की थी, उसकी जितनी तारीफ की जाएं शायद कम ही होगा। इसमें निरुपा ने अभिनेता अमिताभ और शशि कपूर की मां का रोल अदा किया था। फिल्म में स्पष्ट तौर पर दिखाया गया है कि एक मां कैसे अपने बेटे को सही रास्ते पर लेकर आती है।

खबर संक्षेप

पूंजीकरण में सर्वाधिक लाभ में एचडीएफसी बैंक रही

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपये का उछाल आया। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,653.37 अंक या 1.99 प्रतिशत के लाभ में रहा।

एलएंडटी ने आईएफक्यूएम में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग व निर्माण क्षेत्र की कंपनी एलएंडटी ने इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट के 1,25,00,000 शेयर खरीदे हैं। यह कंपनी में 12.25 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। कंपनी के अनुसार, यह अधिग्रहण उत्पाद व सेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के जरिये ब्रांड इंडिया को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने की एलएंडटी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

अधिक जहाज खरीदने से निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी

नई दिल्ली। उद्योग मंडल सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात आयात समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने कहा कि कुछ बंदरगाह शुल्कों में कटौती और शिपिंग कॉरपोरेशन के अतिरिक्त कंटेनर जहाज खरीदने जैसे कदमों से निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद मिलेगी। इन पहलों से निर्यात परिचालन को आसान बनाकर भारतीय उद्योग को काफी लाभ होगा।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन में रही गिरावट

नई दिल्ली। देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-डी-आयल्ड केक की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए।

अदाणी टोटल ने विस्तार के लिए जुटाए 37.5 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड ने अपने कारोबार के विस्तार के लिए वैश्विक कर्जदाताओं से 37.5 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया है। अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं के साथ निष्पादित 37.5 करोड़ डॉलर के पहले वित्तपोषण में प्रतिबद्धताओं को बढ़ाने के लिए ऋणसुविधा के साथ 31.5 करोड़ डॉलर की प्रारंभिक प्रतिबद्धता शामिल है।

एनपीएस वात्सल्य में पहले दिन जुड़े 9700 नाबालिग अंशधारक

नई दिल्ली। एनपीएस वात्सल्य के तहत योजना की शुरूआत के पहले दिन लगभग 9,700 नाबालिग अंशधारक इससे जुड़े। योजना की शुरूआत इसी सप्ताह हुई है। पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा विनियमित यह योजना माता-पिता और अभिभावकों को ब्याज पर ब्याज की शक्ति का उपयोग करके अपने बच्चों की सेवानिवृत्ति के लिए जल्दी बचत शुरू करने का अवसर प्रदान करती है। यह भारत के उभरते पेंशन परिदृश्य में मील का पत्थर है।

लग्जरी कार कंपनियों को त्योहारी सत्र में अच्छी बिक्री की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में महंगी कारों की मांग में तेजी देखने को मिल रही है। ऐसे में लग्जरी कार विनिर्माता कंपनियां मर्सिडीज-बेंज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू इस साल त्योहारी सत्र के दौरान अपनी बिक्री में मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं।

- त्योहारी सीजन में कंपनियों की बिक्री दो अंक में रहती है

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने बातचीत में कहा कि इस साल लग्जरी कार खंड अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है। इसमें त्योहारी सत्र की बिक्री महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मर्सिडीज-बेंज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने कसी कमर

बाजार को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

देश में कुल यात्री वाहन बाजार में लग्जरी कार खंड का हिस्सा अब भी काफी कम है। अय्यर ने कहा कि इस वित्त वर्ष में यह खंड रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करने की ओर अग्रसर है, लेकिन सभी कंपनियां वृद्धि नहीं देख रही हैं। अय्यर ने कहा, "कुछ (कंपनियां) की बिक्री वृद्धि कम रहेगी, और कुछ की स्थिर क्योंकि उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

बीएमडब्ल्यू का ऑर्डर बैंक मजबूत

ढिल्लो ने कहा, "बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के लिए ऑर्डर बैंक मजबूत है और हम अपने ग्राहकों के लिए डिलिवरी में तेजी लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। दिवाली और दशहरा के आसपास अतिरिक्त बुकिंग के साथ, हमें इस साल का समापन प्रभावशाली वृद्धि के साथ होने की उम्मीद है।"

ऑडी की क्यू8 की मांग मजबूत

ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लो ने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि लग्जरी कार बाजार में जो सकारात्मक रुख दिखाई दे रहा है, वह त्योहारी सत्र में भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा, "हमारे सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल ए6, क्यू3, क्यू3 स्पोर्टबैक, क्यू5, क्यू7 और हाल में पेश क्यू8 इस मजबूत मांग को आगे बढ़ाएंगे।"

पिछली तिमाही में बाजार उबरा है

अय्यर ने कहा कि आमतौर पर त्योहारी सीजन में वाहन कंपनियों की बिक्री में बढ़ोतरी दो अंक में रहती है। ऐसे में उन्हें पिछली तिमाही की औसतन एक अंकीय बिक्री वृद्धि से उबरने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, "इस तरह औसतन हम त्योहारी सत्र में दो अंकीय वृद्धि प्राप्त करने में सक्षम हैं।"

इस कार बाजार की हिस्सेदारी दो फीसदी से कम

चूंकि हम बाजार में मुख्य खिलाड़ी हैं, इसलिए हमें अब भी लगता है कि इस साल लग्जरी कार बाजार 50,000-51,000 इकाई के आंकड़े को पार कर जाना चाहिए। भारत में लग्जरी कार बाजार अब भी बहुत छोटा है। देश के कुल यात्री वाहन बाजार में इसकी हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है।

भारतीय दूरसंचार परिचालक द्वारा दिया गया सबसे बड़ा सौदा

वोडाफोन-आइडिया ने की 30,000 करोड़ की डील नोकिया-एरिक्सन और सैमसंग से मिलाया हाथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 4जी और 5जी नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग को 30,000 करोड़ रुपये का अनुबंध दिया है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह अनुबंध तीन साल के लिए है।

यह इस साल किसी भी भारतीय दूरसंचार परिचालक द्वारा दिया गया सबसे बड़ा सौदा है। कंपनी ने इससे पहले तीन साल में 6.6 अरब डॉलर या 55,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा की थी। यह सौदा इस दिशा में पहला कदम है।

- कंपनी ने 4जी और 4जी उपकरणों का दिया ठेका
- यह अनुबंध तीन साल के लिए किया गया
- पहले तीन साल में 55,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की घोषणा

3.6 अरब डॉलर का बड़ा सौदा

कंपनी ने बयान में कहा, "वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल की अवधि में नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए करीब 3.6 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) का एक बड़ा सौदा किया है।"

5जी सेवा होगी जल्द शुरू

बयान में कहा गया है कि इस पूंजीगत व्यय कार्यक्रम का लक्ष्य 4जी आबादी के दायरे को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब करना, प्रमुख बाजारों में 5जी सेवा शुरू करना और डेटा की वृद्धि के अनुरूप क्षमता का विस्तार करना है। इन नए दीर्घकालिक ठेकों के तहत आपूर्ति आगामी तिमाही में शुरू होगी।

2018 में सबसे बड़ी दूरसंचार परिचालक थी

वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) अगस्त 2018 में वोडाफोन इंडिया और आइडिया सेल्युलर के विलय से बनी थी। उस समय इसका ग्राहक आधार 40.8 करोड़ था और यह सबसे बड़ी दूरसंचार परिचालक थी। दूरसंचार नियामक ट्राई के आंकड़ों के अनुसार वीआईएल के पास अब 21.5 करोड़ मोबाइल सेवा ग्राहक रह गए हैं।

नौकिया व एरिक्सन शुरुआत से रहे हैं साझेदार

नोकिया और एरिक्सन शुरुआत से ही हमारे साझेदार रहे हैं और यह उस निरंतर साझेदारी में एक और मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, "सैमसंग के साथ अपनी नई साझेदारी शुरू करके हमें खुशी हो रही है। हम 5जी युग में आगे बढ़ने के साथ अपने सभी भागीदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।"

कंपनी ने हाल में 24 हजार करोड़ जुटाए थे

कंपनी ने हाल ही में इक्विटी बिक्री के माध्यम से 24,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। वीआईएल ने कहा कि उसने एक स्वतंत्र तीसरे पक्ष द्वारा कंपनी के दीर्घकालिक अनुमानों का तकनीकी आर्थिक मूल्यांकन पूरा कर लिया है। रिपोर्ट सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को सौंप दी गई है, जिसके आधार पर बैंक अब अपने आंतरिक मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं के साथ आगे बढ़ेंगे।

1.4 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा का विस्तार

बयान में कहा गया है कि 1.2 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा (कवरेज) का विस्तार कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है। वीआईएल के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने कहा कि कंपनी ने निवेश चक्र शुरू कर दिया है और यह एक नए दौर की शुरुआत है। उन्होंने कहा, इसके बाद से वीआईएल उद्योग के वृद्धि अवसरों में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए एक कुशल बदलाव करेगा।

ईवी चार्जिंग सुगमता के लिए साझा मंच की आवश्यकता : मर्सिडीज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- साझा ऐप का ग्राहकों की सुविधा बढ़ानें में होगी भूमिका

लग्जरी कार विनिर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मालिकों के लिए विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा संचालित सभी उपलब्ध चार्जिंग स्टेशनों के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए एक साझा मंच बनाने की वकालत की है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने बताया कि यह साझा ऐप ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा देश में ईवी स्वीकार्यता में बढ़ावा देगा। बातचीत में अय्यर ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे को सुगम बनाने की जरूरत है।

अय्यर ने कहा, "आज अगर आप इलेक्ट्रिक कार खरीदते हैं, तो आपको अपने फोन पर तीन-चार अलग-अलग ऐप की जरूरत होती है। हम सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि वह यूपीआई आधारित प्रणाली जैसी कोई चीज लेकर आए।" अय्यर ने उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी में अग्रणी है, लेकिन जब चार्जिंग की बात आती है, तो अभी भी कई ऐप हैं। अय्यर ने कहा, /"वे (ऐप) एक-दूसरे से जुड़े नहीं हैं...भुगतान गेटवे एकीकृत नहीं हैं...अगर इसे हल किया जा सकता है तो ईवी की सुविधा अगले स्तर पर होगी।"

हमारे पास कोई चार्ज पॉइंट नही

अय्यर ने कहा, "लेकिन भारत में हम इसे पूरी तरह से लागू नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि हमारे पास एक भी चार्ज पॉइंट संचालक नहीं है जो इसे एकीकृत कर सके।" अय्यर ने कहा, उन्होंने कहा कि सरकार को एक मंच तैयार करना होगा और फिर सभी एग्रीगेटर्स को वहां लाना होगा।

कलिंगनगर संयंत्र में देश का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस चालू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- 10 वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन गया

टाटा स्टील ने अपने कलिंगनगर संयंत्र में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस को चालू किया जो संयंत्र की उत्पादन क्षमता को 30 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 80 लाख टन प्रति वर्ष करने में मदद करेगा। ब्लास्ट फर्नेस एक एकीकृत इस्पात विनिर्माण संयंत्र का प्रमुख घटक होता है जो 1500 सेल्सियस तक के तापमान पर भी गर्म धातु का उत्पादन करने के लिए जरूरी है। टाटा स्टील ने नवंबर, 2018 में ओडिशा में अपनी कलिंगनगर परियोजना के विस्तार के लिए 27,000 करोड़ रुपये के दूसरे चरण की शुरुआत की थी।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि टाटा स्टील ने शुक्रवार को कलिंगनगर में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस को सफलतापूर्वक चालू किया। कंपनी ने कहा कि ओडिशा बीते 10 वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ भारत में टाटा स्टील का सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 689 अरब डॉलर के करीब

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 22.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 689.46 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। इससे पहले छह सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.248 अरब डॉलर बढ़कर 689.235 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 13 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 51.5 करोड़ डॉलर घटकर 603.63 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 89.9 करोड़ डॉलरबढ़कर 62.89 अरब डॉलर हो गया।

महंगी शराब की बिक्री में भारत ने अमेरिका व चीन को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶ मोंट्रेक्स (स्विट्जरलैंड)

- भारत का संपन्न वर्ग महंगी शराब की बिक्री को बढ़ा रहा

भारत का बढ़ता संपन्न वर्ग उच्च श्रेणी की शराब की बिक्री में वृद्धि को बढ़ावा दे रहा है। स्विट्जरलैंड के एक शोधकर्ता के अनुसार, स्कॉच व्हिस्की और बढ़िया वाइन की बिक्री में दहाई अंक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो अमेरिका और चीन की खपत में वृद्धि की दर से भी अधिक है। ज्यूरिख स्थित वरिष्ठ लग्जरी ब्रांड निर्माता और उपभोक्ता अनुभव विशेषज्ञ साइमन जोसफ ने कहा, "एक उपश्रेणी जहां भारत चीन से आगे निकल गया है और पांच साल की सालाना दर में अमेरिका की तुलना में दोगुनी दर से बढ़ रहा है, वह है स्कॉच लग्जरी व्हिस्की।"

ग्लियन इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन के शोधकर्ता जोसफ ने कहा कि विभिन्न डेटा पूर्वानुमानों के अनुसार, लग्जरी स्कॉच व्हिस्की बाजार भी 2024 के अंत तक 16 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। जोसफ ने ब्रिटेन स्थित स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत में स्कॉच व्हिस्की का निर्यात 2022 तक 66 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ा है, जो अमेरिका, चीन और अन्य महत्वपूर्ण बाजारों से आगे है।

स्कॉच व्हिस्की की बिक्री में अमेरिका आगे

ब्रिटेन स्थित एसडब्ल्यूए के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत को 16.7 करोड़ बोतल के बराबर निर्यात किया गया, जो 2019 से 27 प्रतिशत अधिक है। जोसफ ने कहा, 'मूल्य के मामले में अमेरिका अब भी स्कॉच व्हिस्की की खपत में सबसे आगे है; मात्रा के मामले में भारत अब सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो फ्रांस से थोड़ा आगे है। स्कॉटलैंड स्कॉच व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक बना हुआ है।"

निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- वैश्विक रुख व एफपीआई की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। मीणा ने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा, ''इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी।''

मीणा ने कहा, '' हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।''

बीएसई उच्चतम स्तर पर

गत शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,359.51 अंक या 1.63 प्रतिशत के उछाल के साथ 84,544.31 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 1,509.66 अंक या 1.81 प्रतिशत चढ़कर 84,694.46 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था।

अनिल अंबानी के रिलायंस समूह ने बदलाव की यात्रा शुरू की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- हाल के वर्षों में प्रमख फर्मों को कर्ज में डूबते देखा

अनिल अंबानी के रिलायंस समूह ने हाल के वर्षों में अपनी प्रमुख फर्मों को दिवाला कार्यवाही में नीलाम होते और कर्ज में डूबते हुए देखा है, लेकिन समूह ने पिछले सप्ताह ऐसी घोषणाएं की हैं, जिन्हें निवेशक बदलाव के संकेत मान रहे हैं। समूह ने 18 सितंबर से 20 सितंबर तक तीन दिनों में घोषणा की कि वह लंबी अवधि के फंड जुटाने की योजनाओं को लागू कर रहा है। इससे समूह की वित्तीय स्थिति मजबूत हो सकती है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ने तरजीही निर्गम और क्यूआईपी के जरिए 6,000 करोड़ रुपये तक के फंड जुटाने को मंजूरी दी। दूसरी ओर रिलायंस पावर का बोर्ड कई तरीकों से फंड जुटाने पर विचार करने और उसे मंजूरी देने के लिए 23 सितंबर को बैठक कर रहा है। जिस गति से अनिल अंबानी ने अपनी कंपनियों के कर्ज को चुकाने के लिए कदम उठाया, और साथ ही अपनी कंपनियों के भविष्य के विस्तार के लिए फंड जुटाने की योजनाओं की घोषणा की और उन्हें लागू किया, उसने निवेशकों को आश्चर्यचकित कर दिया है।

शेयर बाजारों में दोनों फर्मों के शेयरों में उछाल आया।

लोकल सर्किल्स के सर्वे में निकाला गया निष्कर्ष

यूपीआई पर लगी फीस तो शुरू होगा कैश का इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूपीआई सेवा पर यदि किसी तरह का लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका इस्तेमाल बंद कर देंगे। 'लोकलसर्किल्स' के रविवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है।

सर्वेक्षण के अनुसार, 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं। सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं।

75 फीसदी उपयोगकर्ता बंद कर देंगे इस्तेमाल

लेन-देन के मामले में 57 फीसदी की वृद्धि

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था।

लेन-देन शुल्क लगा तो यूपीआई का उपयोग होगा बंद

वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं।

मूल्य के लिहाज से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपए : *रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार, 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया।*

दस में से चार उपभोगकर्ता इसका इस्तेमाल कर रहे : *सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है, 'यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है। इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है।" लोकलसर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा।*

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

नौशेरा में गृहमंत्री शाह ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मांगे वोट

हम आतंक को पाताल में दफन कर देंगे, गोली का जवाब गोले से देंगे, कांग्रेस और नेकां ने जम्मू-कश्मीर के 'अधिकार' को छीना

एजेंसी ▶▶ राजौरी/पुंछ

सीधे मैदान से ▶▶ *नौशेरा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए चुनाव में झोंकी ताकत तो पुंछ में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और बरनई में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा घगवाल ने भी किया भाजपा के लिए प्रचार, इस दौरान 'तिकड़ी' ने कांग्रेस और नेकां के खिलाफ जमकर निशाना साधा, विपक्ष के बयानों पर जोरदार हमला भी किया और सरकार की ओर से वादा भी किया।*

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव अभियान को धार देने के लिए रविवार को भाजपा ने ताड़तोड़ चुनावी रैलियां की। नौशेरा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तो पुंछ में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और बरनई में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा घगवाल, सांबा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी सुरजीत सिंह सलाथिया के समर्थन में मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने जनसभा की।

नौशेरा में शाह ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आतंक को पाताल में दफन करेंगे। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर का अधिकार को छीना है। अगर गोली चली तो जवाब गोले से देंगे। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि जब पहाड़ियों को आरक्षण दिया गया, तो फारूक अब्दुल्ला ने यहां के गुर्जर भाइयों को उकसाना शुरू किया कि आपका आरक्षण चला जाएगा। मैंने राजौरी में वादा किया था कि गुर्जर बकरवाल का आरक्षण एक प्रतिशत भी कम नहीं होगा और पहाड़ी भाई-बहनों को आरक्षण मिलेगा और हमने अपना वो वादा निभाया।

राहुल हम आपको आरक्षण हटाने नहीं देंगे

गृहमंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस, नेकां ने कहा है कि पहाड़ियों, गुर्जर बकरवाल, दलित, वाल्मीकि, ओबीसी समुदाय को जो आरक्षण दिया गया, हम उस पर पुनः विचार करेंगे। राहुल गांधी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि अब इनका विकास हो चुका है, अब इन्हें आरक्षण की जरूरत नहीं है। राहुल हम आपको आरक्षण हटाने नहीं देंगे।

जम्मू कश्मीर में हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा

कांग्रेस-नेकां गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि आज जम्मू कश्मीर में हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा है, लेकिन कांग्रेस, नेकां वाले कहते हैं कि हम शेख अब्दुल्ला वाला ध्वज वापस लाना चाहते हैं। फारूक साहब, जितना जोर लगाना है लगा लो, लेकिन अब कश्मीर में सिर्फ हमारा प्यारा तिरंगा ही लहराएगा।

आतंकवाद खत्म होने तक पाक से कोई बात नहीं

गृह मंत्री शाह ने जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार आतंकवाद के खात्मे तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को खत्म करना जरूरी था। फारूक कहते हैं कि वे अनुच्छेद 370 को वापस लाएंगे। अनुच्छेद 370 को कोई वापस नहीं ला सकता। अब बंकरों की जरूरत नहीं है क्योंकि कोई गोली चलाने की हिम्मत नहीं कर सकता। 'अगर उस तरफ से गोली आई तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में 30 साल तक आतंकवाद चलता रहा, 30 साल में 3000 दिन जम्मू-कश्मीर में कर्फ्यू लगा रहा, 40 हजार लोग मारे गए। फारूक साहब, आप उन दिनों कहां थे?

आतंकवादियों के साथ बिरयानी किसने खाई थी?

शाह ने कहा कि अब्दुल्ला साहब, आप चिंता मत कीजिए, चुनाव संपन्न होने के बाद हम लोग श्वेतपत्र लेकर आने वाले हैं, जो कांग्रेस को, आपको और मुफ्ती परिवार को पूरी तरह से एक्सपोज करेगा। आखिर आतंकवाद घाटी में कौन लेकर आया? किसकी शह पर आया? उस वक्त केंद्र में किसकी सरकार थी और घाटी में किसका शासन था? किसने आतंकवादियों के साथ बिरयानी खाई थी? पूरा कच्चा चिट्ठा हम खोलकर रखने वाले हैं।

शाह का कश्मीर पर फोकस

58 फीसदी से ज्यादा वोटिंग बदलाव का संकेत

पुंछ में रक्षा मंत्री राजनाथ का संबोधन

पुंछ में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद चुनाव हो रहे हैं। सभी की नजरें इस चुनाव पर हैं। जम्मू-कश्मीर में 58 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई है और लद्दाख में 82 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई। ये जम्मू-कश्मीर के लिए बदलाव का बड़ा संकेत है।

किसानों को मिलने वाली राशि बढ़ाकर 10,000 करेंगे, 5 लाख रोजगार देंगे

बरनई में नड्डा ने की रैली

बरनई में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम-किसान के तहत किसानों को सालाना मिलने वाली 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर 10,000 रुपए करेंगे। पंडित प्रेमनाथ डोगरा योजना के तहत हम 5 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करके देंगे। भूमिहीन लोगों को अटल आवास योजना के तहत 5 मरला जमीन मुफ्त दी जाएगी। हमारे मंदिरों के पुनर्निर्माण व पुनरोद्धार के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी।

पूर्व राज्यपाल मलिक एमवीए का प्रचार करेंगे

आमने सामने

महाराष्ट्र में भाजपा का सफाया कर देंगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में राज्य विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले सियासी माहौल गरमाने लगा है। महायुति और महा विकास अघाड़ी एक दूसरे को टक्कर देने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इस बीच, जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की टेंशन बढ़ा सकते हैं। मलिक ने दावा किया कि वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रचार करेंगे। इस चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा का सफाया हो जाएगा।जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने में अहम भूमिका निभाने वाले सत्यपाल मलिक मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

हरियाणा में चुनाव के पहले महिला नेता के आरोप से हंगामा

बिगड़े बोल

'चमड़ी-दमड़ी' देखकर दिया जा रहा चुनाव टिकट

चंडीगढ़। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस पर 'चमड़ी-दमड़ी' देखकर टिकट बांटने का आरोप लगा है और यह आरोप किसी और ने नहीं, बल्कि खुद पार्टी की महिला नेता की तरफ से आया है। इससे पहले केरल की कांग्रेस नेता सिमी रोज बेल ने पार्टी में 'कास्टिंग काउच' का आरोप लगाया था। हरियाणा से दो बार की विधायक शारदा राठौड़ ने भी यही आरोप दोहराया। उनका आरोप है कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के टिकट 'चमड़ी और दमड़ी' के आधार पर बांटे जा रहे हैं। इस पर भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है और शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पूछा है कि क्या लड़की हूं ब्रिगेड, प्रियंका गांधी वाड्रा कुछ कहेंगी या सिमी की तरह उन्हें भी बर्खास्त कर देंगी?

सैलजा की खामोशी से बढ़ी कांग्रेस की धड़कनें

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां जोरों पर हैं, लेकिन इस चुनावी शोरगुल के बीच कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा की खामोशी कई सवाल खड़े कर रही है। हरियाणा कांग्रेस की सबसे बड़ी महिला और दलित नेता में शुमार की जाने वाली सैलजा का सोशल मीडिया अकाउंट सूना पड़ा हुआ है। ऐसे में सैलजा की इस खामोसी ने हरियाणा कांग्रेस में चल रही गुटबाजी को सुर्खियों में ला दिया है। पार्टी आलाकमान की चिंता की लकीरें भी बढ़ा दी हैं। सैलजा आखिरी बार 11 सितंबर को नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार शैली चौधरी और असंध से पार्टी के उम्मीदवार शमशेर सिंह गोगी के समर्थन में चुनाव प्रचार करती दिखी थी।

सोनीपत में विपक्ष पर बरसे सीएम योगी

दंगा किया तो 7 पुश्तों की कमाई जब्त हो जाएगी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को हरियाणा के सोनीपत चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एक रैली में विपक्षी पार्टियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने दंगों से प्रदेश को सर्वथा मुक्ति दिला दी है. 2017 से पहले याद करिये उत्तर प्रदेश की क्या हालत थी। हर तीसरे दिन दंगा हुआ करता था। पिछले 7.5 सालों में प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। दंगा करने वाला व्यक्ति जानता है कि दंगा करेगा तो उसकी 7 पुश्तों की कमाई जब्त हो जाएगी और गरीब में वितरित हो जाएगी। आज उत्तर प्रदेश पीएम मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित हाथों में है. उन्होंने कहा कि आज यूपी में किसी के साथ भेदभाव नहीं हो रहा है और सबका विकास हो रहा है। योगी ने कहा कि हरियाणा में भी यही हो रहा है। हरियाणा विकास की राह पर अग्रसर है। पहले यहां पर भाई-भतिजावाद था। कांग्रेस सरकार में यहां पर भ्रष्टाचार था, गुंडागर्दी थी और जबरन वसूली होती थी, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद सब खत्म हो गया है।

अठावले ने जताई उम्मीद

महाराष्ट्र में आरपीआई-ए को 10-12 सीटें मिलनी चाहिए

महाराष्ट्र में राज्य विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले सियासी माहौल गरमाने लगा है। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-आठवले (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास आठवले ने पार्टी को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कम से कम 10 से 12 सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद जताई है।आठवले ने पत्रकारों से कहा कि आरपीआई-ए अपने पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ में तीन से चार सीटें मांगेगे।

अब्दुल्ला के बड़े बोल

सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और इसे (370) वापस लाएंगे

जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर निशाना साधा है। अब्दुल्ला ने शाह के बयान पर कहा कि हम फिर से सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और इसे (370) वापस लाएंगे। कब तक हम आतंकवाद में रहेंगे, कब तक हमारे लोग मरते जाएंगे। यहां की सरकारों ने ऐसा किया और उन्होंने ऐसा तब किया जब अनुच्छेद 370 लागू था। हमने प्रगति की, लेकिन इन सालों में शाह ने हमें क्या विकास दिया?

खबर संक्षेप

ममता ने पीएम मोदी को फिर लिखी चिट्ठी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिणी क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सीएम ममता बेनर्जी ने एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने चिट्ठी में बताया कि डीवीसी से पानी छोड़ने का फैसला एकतरफा लिया गया है। बैरेज से पानी छोड़े जाने के कारण दक्षिणी बंगाल में बाढ़ आ गई।

हेलो... विश्नोई गैंग से हूं, 5 करोड़ रुपए देना

नई दिल्ली। दिल्ली में लारेंस विश्नोई, रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़के नाम से कारोबारियों को एक्सटोर्शन कॉल आ रही है। कई बड़ी हस्तियों से कॉल कर करोड़ों रुपए मांगे जा रहे हैं। पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। अब 2 नए मामलों में 5- 5 करोड़ रुपए की मांग की गई है।।

पेड़ से बांधकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की पिटाई

बालासोर। ओडिशा के बालासोर के महापाड़ा गांव में आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को नियमित रूप से भोजन उपलब्ध नहीं कराने के आरोप में ग्रामीणों ने एक आंगनबाड़ी कर्मी को पेड़ से बांधकर कर पिटाई की। घटना 19 सितंबर की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सामने आया।

जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

चंद्रबाबू आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति, आस्था पर राजनीति कर रहे, सामने लाएं 'प्रसाद' का सच

एजेंसी ▶▶ अमरावती

तिरुपति मंदिर में प्रसाद को लेकर विवाद के बीच बोले आंध्र के पूर्व सीएम

तिरुपति मंदिर में प्रसाद को लेकर जारी विवाद के बीच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में रेड्डी ने कहा कि सीएम चंद्रबाबू नायडू एक आदतन झूठ बोलने वाले ऐसे व्यक्ति हैं, जो इतने नीचे गिर गए हैं कि उन्होंने पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने कहा कि इस अहम मोड़ पर पूरा देश आपकी ओर देख रहा है। नायडू को झूठ फैलाने के लिए के उनके बेशर्म कृत्य के लिए कड़ी फटकार लगाएं और सच्चाई सामने लाई जाए। इससे नायडू द्वारा करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं के मन में पैदा किया गया शक दूर हो जाएगा और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की पारदर्शिता में विश्वास बहाल होगा। नायडू टीटीडी की पवित्रता, अखंडता और प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

टीटीडी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि नमूनों के लैब परीक्षण में जानवरों के वसा और चरबी की मौजूदगी का पता चलता है और बोर्ड मिलावटी घी की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार को काली सूची में डालने की प्रक्रिया में है।

कथित मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया

उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि कथित मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था और टीटीडी के परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, नायडू ने गलत इरादे से 18 सितंबर को एक राजनीतिक दल की बैठक में इस मुद्दे को उठाया। कुछ दिन पहले एनडीए की विधायक दल की बैठक में तेदेपा प्रमुख नायडू ने दावा किया था कि पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए कम गुणवत्ता वाली सामग्री और जानवरों की चर्बी के वसा इस्तेमाल किया।

घी सप्लाई करने वाली कंपनी का दावा

हमारे सैंपल लैब में टेस्ट होते थे

कंपनी ने यह भी दावा किया कि एआर डेयरी को टीटीडी को घी की आपूर्ति करने की मंजूरी दी गई थी, मंदिर प्रशासन की 4सदस्यीय विशेषज्ञ टीम ने उनकी क्षमता और गुणवत्ता नियंत्रण उपायों का आकलन करनेसंयंत्र का दौरा किया। घी के नमूनों का राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में परीक्षण किया जाता है।

भड़के श्रीश्री रविशंकर

भक्तों के हाथों में सौंपें कमान

इस मामले पर श्री श्री रविशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि लड्डू विवाद ने हिंदू मानस में गहरा घाव और रोष पैदा कर दिया है। अब समय आ गया है कि मंदिर का प्रबंधन स्वार्थी अधिकारियों, निर्दयी व्यापारियों और राजनेताओं के बजाय धार्मिक नेताओं और भक्तों के हाथों में सौंप दिया जाए।

अजमेर में खूनी झड़प, मुंबई में हादसा

दो गुटों में जमकर फायरिंग में एक की मौत और कई घायल

एजेंसी ▶▶ अजमेर

यहां के किशनगढ़ के रुपनगढ़ में एक जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर लाठी डंडे चले और फायरिंग भी हु।. इस दौरान एक शख्स की मौत हो गई। बताया जाता है कि श्वेतांबर जैन समाज छात्रावास की जमीन पर निर्माण करने के विवाद को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। इस दौरान एक की मौत की पुष्टि हुई है।

वहीं कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक निर्माण स्थल पर से कुछ लोग गाड़ियों में बैठ-बैठकर भाग रहे हैं और दूसरे गुट के लोग इन पर लाठी डंडे बरसाते नजर आ रहे हैं। इस बीच जेसीबी को भी घेरकर लोग उस पर लाठी-डंडे बरसाते दिखे। वहीं जेसीबी चालक किसी तरह वहां से निकलकर भागता दिख रहा है।

अंधेरी के राजा के विसर्जन के दौरान पलटी नाव

24 से अधिक लोग समुद्र की लहरों के बीच जा गिरे

अंधेरी। मुंबई के वर्सोवा बीच पर रविवार को अंधेरी के राजा का विसर्जन हो रहा था। इसी दौरान अचानक नाव पलटने के चलते मंडल के कुछ कार्यकर्ता और अन्य लोग पानी के अंदर गिर गए। रविवार सुबह 11:00 बजे मूर्ति का विसर्जन किया जा रहा था। तभी नाव पलट गई। नाव में सवार दो दर्जन से अधिक लोग समुद्र की लहरों के बीच जा गिरे। वहां मौजूद लोग पानी में डूबे लोगों को बचाने लगे। इस घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

योगी के मंत्री के बोल

अपराधी से समझौता नहीं, पूरी स्पीड के साथ चलेगा बुलडोजर

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगा दी है, लेकिन यूपी सरकार के हौसले अभी भी बुलंद हैं।

सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण का दावा है कि यूपी सरकार का बुलडोजर अभी भी पूरी स्पीड से चलता रहेगा।उत्तर प्रदेश में अपराध को लेकर कोई समझौता न पहले किया गया था, न अब किया जाएगा। कोई भी कार्रवाई कानून के दायरे में रहकर की गई है। हमने कहा कि हम जो भी कार्रवाई करते हैं, वह नियमों और कायदों को ध्यान में रखकर करते हैं। निरपराधी पर कार्रवाई नहीं करते।

जनता की अदालत में पहुंचे पूर्व सीएम केजरीवाल

मेरे खिलाफ षड्यंत्र रचा गया, संघ सवालों का जवाब दे

एजेंसी ▶▶ जंतर मंतर

दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल जंतर-मंतर पर जनता की अदालत में पहुंचे। केजरीवाल ने कहा कि मेरे खिलाफ षड्यंत्र रचा गया। मेरे नेताओं को जेल भेजा गया। मैं देश बदलने के लिए आया हूं, मैं कुछ गलत करने नहीं आया। हमें चुनौती दी गई। जनता की अदालत में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिश, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज, संगठन मंत्री संदीप पाठक आदि थे।

मैंने जिंदगी में केवल इज्जत कमाई

केजरीवाल ने कहा कि मैंने अपनी जिंदगी में केवल इज्जत कमाई है। इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मैं भ्रष्टाचार करने नहीं आया था, मुझे सत्ता का लालच, सीएम की कुर्सी की भूख नहीं है, मैं पैसे कमाने नहीं आया, मैं नौकरी में कमा सकता था।

आरएसएस से पूछे 5 सवाल

1- पीएम लालच देकर या ईडी-सीबीआई का डर दिखाकर दूसरी पार्टी के नेताओं को तोड़ रहे हैं, सरकारें गिरा रहे हैं। ये सही है?
2- देश भर में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारी नेताओं को पीएम मोदी ने अपनी पार्टी में शामिल करवाया। क्या आपकी सहमति है?
3- क्या आप आज की भाजपा के कदमों से सहमत हैं।
4- जेपी नड्डा ने चुनाव के दौरान कहा कि भाजपा को आरएसएस की जरूरत नहीं है। मां को आंखें दिखाने लगा है?
5- आरएसएस भाजपा ने मिलकर ये कानून बनाया था कि 75 वर्ष का होने पर किसी भी व्यक्ति को रिटायर होना पड़ेगा। अब अमित शाह कह रहे हैं कि वो नियम पीएम मोदी पर लागू नहीं होगा। क्या आप इससे सहमत हैं?

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)